प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED

यूनिकॉम

unicomadvertising.com

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents

Unique Samay Update

uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-15 | मथुरा, गुरुवार, 12 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

जिले में रसोई गैस की मारामारी: सुबह से रात तक नहीं लग रहा बुकिंग नंबर

गैस सिलेंडर को हाहाकार

एजेंसियों के गोदामों पर घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर लोग

गैस सिलेंडर लेकर नंबर लगाते गैस एजेंसी के ऑफिस पर उपभोक्ता।

गैस गोदाम पर गैस सिलेंडर लेने वालों की भीड़।

साइकिल और मोटरसाइकिल से सिलेंडर ढो रहे उपभोक्ता

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बढ़ी चिंता का असर अब जिले में भी दिखाई देने लगा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक रसोई गैस की किल्लत ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गैस एजेंसियों के ऑफिस एवं गोदामों के बाहर तड़के से ही लंबी–लंबी लाइनें लग रही हैं और लोग घंटों खड़े होकर अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे हैं। स्थिति यह है कि कई उपभोक्ता सुबह घर से निकलकर एजेंसी के ऑफिस और गोदाम पर पहुंच जाते हैं, लेकिन दोपहर और शाम तक भी उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पाता। कई लोगों का कहना है कि गैस बुकिंग के लिए लगातार फोन करने के बाद भी नंबर नहीं लग रहा है। गैस की कमी का असर सिर्फ घरों तक ही सीमित नहीं है। होटल, रेस्टोरेंट और शादी–समारोह वाले घरों में भी रसोई गैस की कमी को लेकर चिंता बढ़ गई है। कुछ दिन पहले

तक गैस एजेंसियों के हॉकर घर–घर जाकर सिलेंडर की डिलीवरी करते थे, लेकिन इस सप्ताह से उपभोक्ता अब खुद एजेंसियों पर पहुंचकर सिलेंडर लेने के लिए मजबूर हैं। एजेंसियों के ऑफिस और गोदामों के बाहर भीड़ इतनी अधिक जिसके कारण गोदामों पर लम्बी–लम्बी लाइनें लगी हुई है। लोग अपने–अपने साधनों से सिलेंडर घर ले जाते दिखाई दे रहे हैं। कोई साइकिल पर सिलेंडर बांधकर ले जा रहा है तो कोई मोटरसाइकिल से। कई जगहों पर लोग छोटे बच्चों को साथ बैठाकर सिलेंडर लेकर जाते देखे गए। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले उपभोक्ता भी लंबी दूरी तय करके एजेंसी पहुंच रहे हैं। सोहनलाल का कहना है कि शादी–समारोह वाले घरों में गैस की मांग बढ़ जाती है तो आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ जाएगी। ग्राहक सुनील कुमार

सिलेंडर का ध्यान रखती एक बालिका गैस गोदाम पर।

ने बताया कि मैं सुबह सात बजे से गैस एजेंसी के कार्यालय पर लाइन में खड़ा हूं, लेकिन अभी तक मेरा नंबर नहीं आया है। पहले गैस का सिलेंडर घर पर ही मिल जाता था, इसलिए इतनी परेशानी नहीं होती थी। अब कई घंटे लाइन में खड़े रहना पड़ रहा है। घर में गैस खत्म होने वाली है। लेकिन आज सिलेंडर नहीं मिला तो परेशानी और बढ़ जाएगी। सोनिया ने कहा कि पिछले तीन दिनों से गैस बुक कराने की कोशिश कर रही हूं, लेकिन फोन मिलाने पर नंबर नहीं लग रहा है। मजबूरी में आज खुद एजेंसी के ऑफिस पर आना पड़ा। यहां भी बहुत लंबी लाइन लगी है। घर में बच्चे हैं, यदि गैस खत्म हो जाएगी तो खाना बनाने में काफी परेशानी होगी। रामवीर सिंह ने कहा कि वह सुबह जल्दी मोटरसाइकिल से यहां आया है। ऑफिस पर इतनी भीड़ है कि समझ नहीं आ रहा कब नंबर आएगा। कई लोग सुबह से लाइन में खड़े हैं। अगर आज गैस नहीं मिली तो फिर दोबारा आना पड़ेगा। ग्राहक मोहित अग्रवाल ने बताया कि रसोई गैस हमारे काम की सबसे जरूरी चीज है। पिछले कुछ दिनों से गैस की किल्लत के कारण पत्नी काफी परेशान है, चूल्हे पर रोटी नहीं बन पाती है, यदि यही स्थिति रही तो आने वाले समय में क्या हालात होंगे। गीता देवी ने बताया कि घर में छोटा बच्चा है और गैस खत्म होने वाली है। सुबह से लाइन में खड़ी हूं, लेकिन अभी तक नंबर नहीं आया है। पहले हॉकर घर पर सिलेंडर दे जाता था, लेकिन अब हॉकरों पर विश्वास नहीं है। किशनलाल ने बताया कि खुद साइकिल से सिलेंडर लेने आना पड़ रहा है। एजेंसी पर बहुत भीड़ है और कई घंटे इंतजार करना पड़ रहा है। अगर यही स्थिति रही तो आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी।

उपभोक्ता घबराएं नहीं, हेल्पलाइन पर संपर्क करें

यूनिक समय, मथुरा। डिलीवरी में समस्या आती है, तो उपभोक्ताओं को घबराने के बजाय अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए संबंधित कंपनी की हेल्पलाइन पर शिकायत करनी चाहिए। अगर बुकिंग और इनवॉइस जेनरेट के बाद भी नहीं मिल रहा एलपीजी गैस सिलेंडर तो तुरंत करें शिकायतः ये रहे भारत गैस, इंडेन और एपी के ऑफिशियल नंबर-

इंडेन गैस के हेल्पलाइन नंबर :टोल फ्री नंबरः 1800—2333—555
एलपीजी बुकिंग और शिकायतः 7718955555

भारत गैस के हेल्पलाइन नंबर : टोल फ्री नंबरः 1800—22—4344
एलपीजी बुकिंग नंबरः 7715012345

एचपी गैस के हेल्पलाइन नंबर : टोल फ्री नंबरः 1800—2333—555
एलपीजी बुकिंग नंबर : 9493602222

बुकिंग न होने से उपभोक्ताओं में मची अफरा–तफरी

संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां। गैस की किल्लत के बीच क्षेत्र के उपभोक्ताओं में भी सिलेंडर को लेकर अफरा तफरी मची हुई है। बुकिंग न होने के कारण उपभोक्ता सिलेंडर के लिए मारे मारे फिर रहे हैं तो इससे लोगों के बीच समस्या और तेजी से बढ़ रही है। उधर बुकिंग न होने से एजेंसी संचालक सिलेंडर की डिलीवरी नहीं कर पा रहे हैं। जिससे उपभोक्ताओं के सामने भी गैस का एवं डिलीवरी करने वालों के सामने रोजी रोटी का संकट आ खड़ा हुआ है। युद्ध

एजेंसी संचालक बोले, बिना बुकिंग के नहीं मिलेगी आपूर्ति

की तपिश देहात क्षेत्रों तक गैस आपूर्ति की कमी के रूप में महसूस होने लगी है। नगर की अधिकतर गैस आपूर्ति एजेंसियों के गोदामों पर भीड़ लगी रही तो वहीं फोन लगातार घनघनाते रहे। दिन भर दौड़ने वाले डिलीवरी बॉय भी शांत नजर आए। सिलेंडर न मिलने से उपभोक्ता बेहद परेशान दिखे। उपभोक्ता वीरपाल ने बताया कि उसकी बुकिंग नहीं हो पा रही है। जिसके चलते वह एजेंसी पर आए हैं। यहां भी उन्होंने हाथ खड़े कर दिए हैं। यह हाल केवल एक एजेंसी का नहीं बल्कि सभी आपूर्ति करने वाले गोदामों का है। इस हालत से उपभोक्ताओं में खलबली मची हुई हैं । हालांकि एजेंसी संचालक नए नियमों का हवाला देते इसे सामान्य प्रक्रिया बता रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक उपभोक्ता को साल में 12 सिलेंडर ही मिलेंगे। यह डिलीवरी माहवार होगी। जिसके चलते उपभोक्ता परेशान हैं।

कई घरों में फिर जलने लगे मिट्टी के चूल्हे

यूनिक समय, मथुरा। रसोई गैस की बढ़ती किल्लत और सिलेंडर की समय पर आपूर्ति न होने का असर अब आम लोगों की रसोई तक साफ दिखाई देने लगा है। शहर और आसपास के कई मोहल्लों में लोगों ने मजबूरी में पुराने मिट्टी के चूल्हे निकाल लिए हैं। जिन घरों में कभी गैस चूल्हे पर ही खाना बनता था, वहां अब लकड़ी और उपलों से चूल्हा जलाकर भोजन बना रहे है। गृहणियों का कहना है कि गैस सिलेंडर समय पर नहीं मिल पा रहा है और कई जगहों पर लंबी लग रही है, ऐसे में परिवार के लिए खाना बनाना मुश्किल हो गया है। खाना तो बनाना ही पड़ेगा जो थोड़ी गैस बची है, उसे इमरजेंसी के लिए रख लिया है। चूल्हे पर रोटी बना रहीं महिला का कहना है कि वर्षों पहले तक हर घर में मिट्टी का चूल्हा होता था, लेकिन गैस के प्रचलन के बाद

चूल्हे पर रोटी बनाती महिला।

यह लगभग खत्म हो गया था। अब हालात ऐसे बन रहे हैं कि लोग फिर उसी व्यवस्था की ओर लौटने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा गैस की मारामारी से पुरानी यादें ताजा हो रहीं है। अब पेट सही हो जाएगा।

ठाकुर गोदा रंगमन्नार भक्तों के साथ होली खेलने निकले

अबीर गुलाल की बदरी में झूम उठा ब्रज

कांच के विमान में सवार ठाकुर गोदा रंगमन्नार की ओर से प्रसाद प्रतीक उड़ाए जा रहे अबीर गुलाल की छटा का नजारा।

अबीर गुलाल में सराबोर श्रद्धालु।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ब्रज में होली की खुमारी अब भी श्रद्धालुओं के सिर चढ़ कर बोल रही है। श्री रंगनाथ मंदिर के दस दिवसीय ब्रह्मोत्सव में कांच के विमान पर सवार होकर जब ठाकुर गोदा रंगमन्नार भगवान भक्तों के साथ होली खेलने निकले तो वातावरण में अबीर गुलाल की बदरी छा गई। होली की मस्ती में सराबोर होकर भक्तो ने भी अपने आराध्य के साथ जमकर होली खेली। ब्रह्मोत्सव के छठवें दिन धवल श्वेत वस्त्र धारण किए ठाकुर गोदा रंगमन्नार भगवान को वेदमंत्रों के साथ अर्चन कर प्राकृतिक अबीर गुलाल निवेदित किए गए। उसके बाद मंदिर के जगमोहन में चांदी की पिचकारी से भक्तों पर टेसू के फूलों से बने रंगों की बौछार की गई तो मंदिर परिसर रंगनाथ भगवान की जय जयकार से अनुगुंजित हो गया। भगवान रंगनाथ जी कांच के विमान में सवार होकर मंदिर के सिंह द्वार पर पहुंचे तो भक्तों में गजब का उल्लास छा गया।

जहां विमान से पुजारियों ने पिचकारी से रंग बरसाया वहीं अबीर गुलाल की बदरी के बीच गोविंद घेरा के क्षत्रिय समाज की महिलाओं ने भक्तों पर प्रेम पगी लाठियां बरसानी शुरू कर दी। ब्रज के पारंपरिक वस्त्रों में सजी महिलाओं की लाठियों से निकले प्रेम रस में भक्त सराबोर हो गए। भगवान भास्कर की तपिश भी रस रंग में डूबे भक्तों के उल्लास को कम नहीं कर सका। जैसे जैसे सवारी बड़े बगीचे की तरफ बढ़ रही थी। रंगों की खुमारी भी अपने चरम पर पहुंच रही थी। लगभग तीन घंटे के बाद जब सवारी मंदिर परिसर वापस पहुंची तो मंदिर प्रबंधन द्वारा हुरंगा खेलने आई महिलाओं को ठाकुर जी का प्रसादी फगुआ भेंट किया गया। बसंत पंचमी से शुरू हुआ होली उत्सव भगवान रंगनाथ के होली खेलने के साथ इस वर्ष के लिए विश्राम हो गया। भगवान रंगनाथ माता गोदा जी के साथ भक्तों पर रंग बरसा रहे थे तो भक्त होली के भजनों पर जमकर झूम रहे थे। भगवान की सवारी ने नगर भ्रमण किया तो हर तरह उत्साह, उल्लास और उमंग छा गया।

तापमान / मौसम

36 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

21 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,62,000

22 कैरेट 1,49,040

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,70,000 प्रति किलो

ठाकुर गोदा रंगमन्नार का रथ कल निकलेगा

यूनिक समय, वृंदावन। उत्तर भारत के प्रसिद्ध रंगनाथ मंदिर के दस दिवसीय ब्रह्मोत्सव मेला में ठाकुर गोदा रंगमन्नार के विशाल रथ को खींचने के लिए लाखों श्रद्धालु कल आएंगे। रंगनाथ मंदिर से सुबह विशाल रथ निकलेगा। उसको रस्सों से खींचने के लिए श्रद्धालु अपना हाथ बढ़ाएंगे। यह यात्रा चुंगी चौराहा होते हुए रंगजी के बगीचा तक पहुंचेगी। यहां से फिर रथ को वापस मंदिर तक लाया जाएगा।

राया में गैस की बढ़ रही है किल्लत

यूनिक समय, राया (मथुरा)। कस्बा में इन दिनों घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर लोगों को भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले तो मोबाइल के जरिये ऑनलाइन बुकिंग हो जाती थी। लेकिन अब बुकिंग न होने पर उपभोक्ता सिलेंडर बुक कराने के लिये एजेंसी ऑफिस के चक्कर लगा रहा है। इस दौरान एजेंसी ऑफिस पर गैस को लेकर लोगों की काफी संख्या में भीड़ देखी गयी। वही एजेंसी पर कर्मचारियों द्वारा सर्वर डाउन बताकर पल्ला झाड़ दिया जाता है। बुकिंग के बावजूद भी गैस सिलेंडर समय पर उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। हालांकि फिलहाल गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं को 930 रुपये में उपलब्ध किया जा रहा है। लेकिन जरूरतमंद लोगों को हॉकरों द्वारा एक हजार रुपये से लेकर चौदह सौ रुपयों तक ब्लैक में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिसको लेकर आमजनमानस परेशान है। वही उपभोक्ताओं ने कर्मचारियों पर गैस रिफलिंग करने का आरोप लगाया है।

"बोलती तस्वीर"

कबूतरों की संसद, इंसान बना दर्शक मात्र

यमुना घाट किनारे आज कबूतरों की आपात बैठक चल रही है। एजेंडा बड़ा गंभीर है–दाना कम क्यों हो रहा है और इंसान मोबाइल में इतना क्यों खो गया है। कुछ कबूतर आसमान में उड़कर विरोध दर्ज करा रहे हैं, तो कुछ घाट की छत पर बैठकर बहस कर रहे हैं। इंसान किनारे खड़े बस तमाशा देख रहे हैं, मानो प्रकृति की संसद में उनकी सदस्यता अभी पक्की नहीं हुई। **फोटो क्लिक –यूनिक समय**

जरूरतमंद बेटी के विवाह को दिया कन्यादान

बेटी के विवाह को कन्यादान में दिए सामान के साथ पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। स्ट्रेंजर फ्रेंड्स हैल्पिंग हैंड्स सोसाइटी ने एक बार फिर अपने "प्रोजेक्ट लाडो" के अंतर्गत एक जरूरतमंद बेटी के विवाह में सहयोग कर कन्यादान का पुण्य कार्य किया। संस्था के संस्थापक पियूष बंसल ने बताया कि समाज की हर बहन–बेटी को सम्मान और सुरक्षा के साथ जीवन की नई शुरुआत मिले, यही संस्था का उद्देश्य है। जब किसी परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण विवाह जैसे पवित्र कार्य में कठिनाई आती है, तब संस्था के सदस्य एक परिवार की तरह साथ खड़े होकर उस बेटी के सपनों को साकार करने का प्रयास करते हैं। संस्था के वरिष्ठ सदस्य भारत अग्रवाल ने बताया कि बेटी के पिताजी का निधन हो चुका है। परिवार में उनकी माता तथा एक छोटा भाई ही हैं। ऐसी परिस्थिति में संस्था के सदस्यों और सहयोगियों ने मिलकर विवाह हेतु आवश्यक वस्तुएं भेंट कर कन्यादान का पुण्य कार्य सम्पन्न किया। इस मौके पर संस्था की अध्यक्ष श्रीमती शिखा बंसल ने अपनी टीम के साथ विवाह हेतु आवश्यक वस्तुएं सौंपी। संस्था की वरिष्ठ सदस्य अंकिता शर्मा ने बताया कि इस "लाडो के कन्यादान" सेवा कार्य में संस्था के सदस्य एवं सहयोगियों को योगदान रहा।

'एक शाम राष्ट्र के नाम' कार्यक्रम बनेगा मेले के आकर्षण

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नववर्ष मेला समिति की सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में आयोजित समीक्षा बैठक में नवसंवत्सर की पूर्व संध्या पर 18 मार्च को होने वाले नववर्ष मेला की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए समिति अध्यक्ष कमलेश अरोड़ा ने बताया कि भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संवत् 2083 की पूर्व संध्या पर 18 मार्च को सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज के मैदान में परम्परागत रूप से विभिन्न सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मनाया जायेगा। नववर्ष मेला के 25 वर्ष पूर्ण होने यह नववर्ष मेला रजत जयंती वर्ष के रूप में आयोजित होगा। प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि नववर्ष समारोह सायं 6:30 बजे से सांस्कृतिक संध्या के साथ शुरू होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत मेला का मुख्य आकर्षण सायं 7:30 बजे से अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि, चित्रकार, गायक एवं राष्ट्रप्रेमी कलाकार बाबा सत्यनारायण मौर्य की बहुरंगी प्रस्तुति "एक शाम राष्ट्र के नाम" होगा। मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा ने बताया कि मेला स्थल पर विभिन्न प्रतियोगिताएं सायं 5 से शुरू होंगी। बैठक में समिति राजीव कृष्ण अग्रवाल, डॉ. दीपा अग्रवाल, योगेश आवा, अनिरुद्ध अग्रवाल, अजय अग्रवाल, समीर बंसल, रामदास चतुर्वेदी, अनुराधा शर्मा, डॉ. सीमा मिश्रा, डॉ. रुचि अग्रवाल, अवधेश उपाध्याय, जमुनादेवी शर्मा, कान्हा यादव, हर्षित सिसोदिया, राजीव पाठक, दीपेश श्रीवास्तव, जेपीएस सिसोदिया, हर्षवरूप यादव, उमेश शर्मा, वृषभान गोस्वामी, अनामिका दीक्षित, डॉ. नीतू गोस्वामी तथा संगीता चौहान आदि उपस्थित थे।

नववर्ष मेला समिति की बैठक में मेला तैयारियों की समीक्षा करती हुई समिति अध्यक्ष कमलेश अरोड़ा। साथ में अन्य पदाधिकारी।

नवसंवत्सर मेला 18 को, तैयारियां पूर्ण

पर्यावरण जागरूकता के साथ विशेष शिविर का समापन

यूनिक समय, वृंदावन। आईओपी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के सातवें दिन 'पर्यावरण जागरूकता' कार्यक्रम का आयोजन किया। एनसीसी अधिकारी पवित्र गोस्वामी एवं वरिष्ठ शिक्षकों के नेतृत्त्व में बीआईएमटी कैम्पस व चयनित स्थल पर डॉली, हिमांशी, प्रवीण, अंशु, शिवानी, तथा अन्य छात्र–छात्राओं ने कैम्पस में जामुन, आम, नीम, अशोक तथा कई औषधियों का पौधारोपण किया। श्री गोस्वामी ने कहा कि पेड़ों का कटान होने के कारण पर्यावरण बिगड़ रहा है और पर्यावरण को बचाने के लिए जागरूक होना होगा। प्राचार्य प्रो. पी.के. सारस्वत ने कहा कि वृक्ष हमारी धरती की अमूल्य धरोहर हैं और इनके बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। इसके साथ ही सप्तदिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का समापन हुआ।

सैन्य क्षेत्र में घुसने वाला संदिग्ध युवक गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सैन्य एरिया में दीवार फांद कर अवैध रूप से प्रवेश करते एक युवक को सेना के जवानों ने पकड़ लिया। युवक से पूछताछ करने के बाद सदर बाजार पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के बाद कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। सैन्य एरिया में 8 टीएसी एयर फोर्स के समीप बनी दीवार फांद कर अवैध तरीके से सैन्य एरिया में प्रवेश

दीवार फांद कर प्रवेश करते सैनिकों ने पकड़ा

युवक बिहार का रहने वाला निकला

सदर बाजार पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच की शुरू

कर रहा था। युवक के इस प्रयास को देख वहां मौजूद सेना के जवानों ने उसे तुरंत करीब पौने नौ बजे पकड़ लिया। घटना रविवार की है। संदिग्ध युवक से सैन्य अधिकारियों ने पूछताछ की। दो दिन तक लगातार पूछताछ करने के दौरान युवक ने अपना नाम नजीरुद्दीन पुत्र असीमुद्दीन निवासी छापरी थाना रूपौली जिला पूर्णिया बिहार बताया। अधिकारियों ने उसके बताए गए एड्रेस पर भी जानकारी की। काफी पूछताछ करने के बाद अधिकारियों ने उसे थाना सदर बाजार पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने नजीरुद्दीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के बाद उसे कोर्ट के समक्ष पेश किया और कोर्ट के आदेश पर उसे जेल भेज दिया। पुलिस युवक के बारे में जानकारी कर रही है। नजीरुद्दीन के खिलाफ अगर जांच में कोई और मामला सामने आता है तो उससे संबंधित धाराओं को बढ़ा दिया जाएगा।

विद्युत पोल से टकराई स्कूल बस, बड़ा हादसा टला

रेलवे कॉलोनी में विद्युत खंभा से स्कूली बस के टकराने की खबर के बाद पहुंचे क्षेत्रीय लोग।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश में स्कूल बस हादसा के बाद भी जिला प्रशासन नहीं ले रहा है सबक। आज सरस्वती शिशु मंदिर की बस छुट्टी के बाद रेलवे कॉलोनी में बच्चों को छोड़ने जब आ रही थी तो रास्ते में बस चालक के द्वारा मोबाइल पर बात करते समय गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और गाड़ी विद्युत पोल से टकरा गई। गनीमत रही कि विद्युत पोल टूटा नहीं वरना बड़ा हादसा हो सकता था। वजह थी विद्युत पोल में करंट आ रहा था। हादसे के बाद एक बच्चे को मामूली चोट आई। दूसरे वाहन से बच्चों को घर जाने की व्यवस्था की गई। ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जन जागरूकता समिति के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने घटना को गंभीरता से लेते हुए जिले के आला अधिकारियों से बात की। मथुरा में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति ना हो। इसके लिए जिला प्रशासन कोई ठोस कार्रवाई करे। अन्यथा शासन को शिकायत भेजी जाएगी। लगातार एक के बाद एक घटनाएं को रही हैं। घटना करने वाले स्कूल बस चालक का ड्राइविंग लाइसेंस किया जाए निरस्त। घटना के बाद जिलाधिकारी सड़क सुरक्षा समीक्षा की बैठक बुलाएं।

महिला से घर में घुसकर मारपीट, डंडे से सिर फोड़ा

दो युवकों के खिलाफ रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार के गांव दीवान खुर्द में प्लॉट पर कूड़ा डालने के लिए गई एक दलित महिला के साथ गांव के दो युवकों द्वारा मारपीट कर घायल किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। गांव दीवाना खुर्द निवासी रेखा देवी पत्नी अशोक कुमार ने पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में कहा है कि वह घर से अपने प्लॉट पर कूड़ा डालने के लिए गई थी।

इसी दौरान गांव के युवक टिकट और संजू वहां आए और उसके साथ गाली गलौज करते अभद्र व्यवहार करने लगे। इसके साथ ही दोनों ने कहा कि अगर यहां दोबारा कूड़ा डाला तो जान से मार देंगे। वह जब घर पहुंची तो दोनों ने उसके घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की और उसे लात घूंसों और डंडे से मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया। दोनों युवकों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया और इसके बाद दोनों जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

युद्ध शांति के प्रयासों का नेतृत्व करे भारत सरकार

यूनिक समय, वृन्दावन। अंतरराष्ट्रीय सेवायत परिषद के संस्थापक इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी ने वैश्विक हितों का ध्यान रखते हुए भारत सरकार को ईरान के साथ जारी अमेरिका व इजराइल के युद्ध को खत्म कराने के लिए भारत सरकार को विभिन्न स्तरों पर चल रहे शांति प्रयासों का नेतृत्व करना चाहिए। वर्तमान दौर में सम्पूर्ण संसार में अपनी विशिष्ट भूमिका निभा रहे भारत देश को अपने प्रयासों में निश्चित ही सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि समग्र मानवता के लिए घातक सिद्ध हो रहे इस युद्ध को शीघ्र अति शीघ्र खत्म कराना बहुत जरूरी है और इसके लिए समूची दुनियां भारत की ओर बड़ी ही आशापूर्ण नजरों से निहार रही है। यदि उक्त संघर्ष लम्बे समय तक चलेगा तो विश्वव्यापी संकट खड़ा होना लाजिमी है, जिससे कोई भी अछूता नहीं रहेगा।

पीएम किसान सम्मान निधि की 22 वीं किस्त कल आएगी

मुख्य संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बटन दबाकर करेंगे जारी

किसानों के खातों में सीधे पहुंचेंगे दो-दो हजार रुपये

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के किसानों के लिए अच्छी खबर है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22 वीं किस्त 13 मार्च को डाली जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम के दौरान बटन दबाकर जिले के किसानों के बैंक खातों में यह धनराशि भेजेंगे। इसके साथ ही मथुरा जिले के किसानों के खातों में भी सीधे दो हजार रुपये पहुंच जाएंगे। केंद्र सरकार की इस योजना का उद्देश्य किसानों को खेती के लिए आर्थिक सहायता देना है। इसके तहत पात्र किसानों को साल में तीन बार दो-दो हजार रुपये दिए जाते हैं। इस तरह एक साल में किसान को कुल छह हजार रुपये की मदद मिलती है। यह पैसा सीधे किसान के बैंक खाते में भेजा जाता है, जिससे उन्हें किसी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मथुरा जिले में बड़ी संख्या में किसान इस योजना से जुड़े हुए हैं। पिछले दो साल से जनपद के करीब 2 लाख 34 हजार किसानों को योजना का लाभ मिल रहा है। सरकार द्वारा समय-समय पर किस्त जारी कर किसानों को आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है। इस बार जो किस्त जारी की जा रही है, वह इस वित्तीय वर्ष की तीसरी किस्त है। 13 मार्च को जैसे ही प्रधानमंत्री कार्यक्रम में बटन दबाएंगे, उसी समय सभी पात्र किसानों के खातों में दो-दो हजार रुपये पहुंच जाएंगे। इससे किसानों को खेती से जुड़े कामों में आर्थिक मदद मिलेगी। जिला कृषि अधिकारी बसंत कुमार दुबे ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए काफी लाभकारी साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों के बैंक खाते की जानकारी पोर्टल पर सही नहीं है, उन्हें भी उसे ठीक कराना चाहिए, ताकि किस्त आने में कोई दिक्कत न हो।

हिस्ट्रीशीटर खोज अभियान में चार को मिला प्रशस्तिपत्र

थाना हाईवे के प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र सिंह को प्रशस्तिपत्र प्रदान करते एसएसपी श्लोक कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। लंबे समय से लापता चल रहे हिस्ट्रीशीटरों की खोज के लिए चलाए गए अभियान के दौरान सर्वाधिक अपराधियों की खोज करने पर एसएसपी ने दो थाना प्रभारियों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया है। एसएसपी श्लोक कुमार ने अपराधियों पर अंकुश लगाने और अपराधों को कम करने के लिए जनपद में हिस्ट्रीशीटरों की खोज के लिए सभी थाना प्रभारियों को अभियान चलाने के आदेश दिए थे। इस अभियान के दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक शेरगढ़

शेरगढ़-हाईवे के प्रभारी निरीक्षक व दो दरोगाओं को मिला सम्मान

प्रदीप कुमार, थाना प्रभारी निरीक्षक हाईवे शैलेंद्र सिंह, उप निरीक्षक रामबीर सिंह, उप निरीक्षक चंद्रवीर सिंह थाना हाईवे ने अभियान में सर्वाधिक अपराधियों की तलाश करने के बाद उनका प्रभावी सत्यापन किया गया। एसएसपी ने इन सभी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है।

राष्ट्रपति का गोवर्धन प्रस्तावित आगमन

निरीक्षण : नगर आयुक्त ने देखी राष्ट्रपति दौरे की तैयारियां

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। राष्ट्रपति के प्रस्तावित आगमन की तैयारियों के दृष्टिगत नगर आयुक्त जग प्रवेश ने आज गोवर्धन चौराहे से सतोहा तक गोवर्धन मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने मार्ग एवं आसपास के क्षेत्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। नगर आयुक्त ने नगर स्वास्थ्य अधिकारी को मार्गों पर उच्च स्तरीय सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही डिवाइडरों के दोनों ओर नियमित सफाई, कूड़ा उठान तथा संपूर्ण मार्ग को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान देने को कहा। मुख्य अभियंता (निर्माण) को निर्देशित किया गया कि जहाँ–जहाँ सड़कों पर पेचवर्क की आवश्यकता है, वहाँ शीघ्रता से मरम्मत कार्य कर सड़कों को समतल एवं सुचारू बनाया जाए।

गोवर्धन में राष्ट्रपति के आगमन मार्ग का निरीक्षण करते नगर आयुक्त जगप्रवेश।

इसके अतिरिक्त मार्गों के सौंदर्यीकरण के लिए सड़कों के किनारों पर गमले लगाने, वॉल पेंटिंग कराने तथा नियमित रूप से पानी का छिड़काव सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी को मार्गों एवं गलियों में अव्यवस्थित रूप से लगे होर्डिंग्स को हटाने तथा सड़कों और फुटपाथों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न रहने देने हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। साथ ही आवारा गोवंश की समस्या के समाधान के लिए भी आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, मुख्य अभियंता (निर्माण) संजय सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी रामगोपाल, सहायक अभियंता (निर्माण) शशांक आदि उपस्थित थे।

राजकीय संग्रहालय का स्थापना दिवस मनाया

संग्रहालय के फोल्डर ब्रोसर का विमोचन करते हुए एमवीडीए की उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी एन एवं संग्रहालय के उपनिदेशक योगेश कुमार।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय संग्रहालय का 152 वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी नागप्पन ने किया। उन्होंने संग्रहालय के फोल्डर (ब्रोशर) का विमोचन भी किया। उन्होंने संग्रहालय में आयोजित चित्रकला शिविर में बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन कर कलाकारों की सराहना की। उन्होंने शिविर के मेंटोर अनिल सोनी एवं खुशबू उपाध्याय सोनी सहित अन्य कलाकारों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उपाध्यक्ष ने विद्यार्थियों एवं अतिथियों से अपने अनुभव साझा किए। सभी को अपने–

एमवीडीए उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने किया उद्घाटन

चित्रकला शिविर के कलाकारों को किया सम्मानित

अपने क्षेत्र में निरंतर साधना करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संग्रहालय के उपनिदेशक योगेश कुमार ने संग्रहालय की स्थापना पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रशांत श्रीवास्तव, अनितेश वार्ष्णेय, रचना, सुभाष, दिनेश और मनोज आदि उपस्थित थे। संचालन मनीष कुमार ने किया।

यमुना में नवजात बच्ची का शव तैरता मिला

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली क्षेत्र की बंगाली घाट पुलिस चौकी इलाके में यमुना में एक नवजात बच्ची का शव पानी में तैरता मिलने से घाट किनारे के लोगों में हड़कंप मच गया। शव पानी में कहीं से बहता हुआ आया प्रतीत होता है।

बंगाली घाट इलाके में यमुना के घाट के समीप एक नवजात बच्ची के शव को तैरता देख वहां मौजूद लोगों में सनसनी फैल गई। घाट पर शव को देखने के लिए काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। बच्ची के शव को लेकर तरह–तरह की चर्चाएं होने लगी। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चौकी प्रभारी ने बताया कि नवजात बच्ची का शव कई दिन पुराना लग रहा है। शव यमुना में पीछे से बहता हुआ आने के बाद घाट के समीप रुक गया है।

पुलिस ने शव को कई दिन पुराना बताया

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ब्लॉक इकाई की मासिक बैठक सम्पन्न

संवाददाता

यूनिक समय, चौमुंहा (मथुरा)। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ब्लॉक इकाई चौमुहां की मासिक बैठक बीआरसी पर ब्लॉक अध्यक्ष अशोक कुमार सोलंकी की अध्यक्षता में हुई। समीक्षा बैठक में ब्लॉक महामंत्री राजकुमार सिंह ने 07 मार्च 26 को होली मिलन व सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह में संगठन को प्राप्त सहयोग राशि व व्यय धनराशि के संबंध में विचार रखा। ब्लॉक कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज पोइया ने सदन के समक्ष आय व्यय का लेखा प्रस्तुत किया गया। शिक्षक शिक्षिकाओं की विभिन्न समस्याओं पर विचार विमर्श किया। ब्लॉक स्तरीय समस्याओं को खण्ड शिक्षा अधिकारी के सामने रखा। उन्होंने कुछ समस्याओं को अविलम्ब निस्तारित कर दिया। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष अशोक कुमार सोलंकी, ओम पचौरी, संरक्षक हरिओम शर्मा, हरनारायण सिंह, रेखा दीक्षित, माधव चतुर्वेदी, राजीव सारस्वत, वेद प्रकाश शर्मा आदि उपस्थित थे। संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरनारायण सिंह ने किया।

17 केंद्रों पर हाईस्कूल कृषि व इंटरमीडिएट कंप्यूटर की परीक्षा संपन्न

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा गुरुवार को प्रथम पाली में हाईस्कूल की कृषि तथा इंटरमीडिएट की कंप्यूटर विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई। जिले के 17 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी के बीच परीक्षाएं आयोजित की गईं। हाईस्कूल की कृषि विषय की परीक्षा में कुल 125 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 123 छात्र–छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 2 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार इंटरमीडिएट के कंप्यूटर विषय में 242 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 230 उपस्थित रहे और 12 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

विद्यालय प्रबंधन समिति की उन्मुखीकरण कार्यशाला

यूनिक समय, चौमुंहा (मथुरा)। ब्लॉक संसाधन केन्द्र स्थित सभागार में विद्यालय प्रबंधन समिति की प्रधानाध्यापक, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष की उन्मुखीकरण कार्यशाला हुई। इस अवसर पर अकादमिक रिसोर्स पर्सन जितेन्द्र कुमार, महेश चंद, सन्दर्भदाता प्रिंसी सिंह व शशिबाला ने प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला में विद्यालय प्रबंध समिति का गठन, संरचना, समिति के कार्य व दायित्व, बाल अधिकार, विद्यालय विकास योजना, अभिभावक एवं सामुदायिक भागीदारी व बालिका शिक्षा आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर हरनारायण सिंह, विक्रम सिंह, माधव चतुर्वेदी, रेखा दीक्षित, दिलीप कुमार, रमेश चंद, राकेश कुमार, प्रेम बाबू शर्मा, रजनीश द्विवेदी, मनोज वर्धन तथा लाल सिंह आदि उपस्थित थे।

एआई के बदलते व्यावसायिक परिदृश्य से रूबरू हुए राजीव एकेडमी के विद्यार्थी

पारुल गौतम ने एमबीए के विद्यार्थियों से साझा किए अनुभव

अतिथि वक्ता पारुल गौतम और डॉ. विकास जैन के साथ एमबीए के छात्र–छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी में एमबीए छात्र–छात्राओं के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें रिसोर्स पर्सन पारुल गौतम, सीनियर एचआर, स्ट्राइव ने विद्यार्थियों को एआई के बदलते व्यावसायिक परिदृश्य से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि आज के कॉर्पोरेट जगत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि संगठनों की दीर्घकालिक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। पारुल गौतम ने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि एआई की मदद से कंपनियां ग्राहक व्यवहार का विश्लेषण कर व्यक्तिगत सेवाएं प्रदान कर रही हैं, जिससे ग्राहक संतुष्टि और ब्रांड निष्ठा बढ़ती है। उन्होंने हाइपर–पर्सनलाइजेशन, सप्लाई चेन प्रबंधन, इन्वेंट्री नियंत्रण, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स और टैलेंट मैनेजमेंट में एआई की बढ़ती भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने एआई लागू करने के व्यावहारिक फ्रेमवर्क, डेटा गोपनीयता, एथिकल एआई गवर्नेंस और पारदर्शिता के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस दौरान विद्यार्थियों ने एआई आधारित प्रबंधन, भविष्य की नौकरियों और डिजिटल नेतृत्व से जुड़े सवाल भी पूछे। एमबीए विभागाध्यक्ष डॉ. विकास जैन ने कहा कि ऐसे व्याख्यान छात्रों को उद्योग की वास्तविक जरूरतों से जोड़ते हैं। अंत में संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

पांडुलिपियों के संरक्षण कार्य को आगे बढ़ाएंगे प्रशिक्षणार्थी

प्राथमिक एवं उपचारात्मक संरक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षण लेने आए लोग।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन शोध संस्थान में पांच दिवसीय प्राथमिक एवं उपचारात्मक संरक्षण कार्यशाला तीसरे दिन भी जारी रहा। राष्ट्रीय संस्कृति संपदा संरक्षण अनुसंधान शाला, लखनऊ के पूर्व प्रशिक्षक प्रमोद कुमार पाण्डेय ने प्रशिक्षणार्थियों को ताड़ पत्र फोल्डर बनाना, पांडुलिपियों को चिपकाने के लिए प्रयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के चिपकाने वाले पदार्थ जैसे–गोंद, सी.एम.सी, स्टार्च पेस्ट, क्लूसेल.जी आदि के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने पांडुलिपियों पर से चिपके हुए सैलो टेप एवं स्याही आदि को हटाने की विधि भी बताई तथा पांडुलिपियों के लेमिशन के तरीके भी बताये। राष्ट्रपति भवन संग्रहालय से आये उत्कर्ष श्रीवास्तव ने बताया कि संस्थान में आयोजित कार्यशाला में प्राथमिक एवं उपचारात्मक संरक्षण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई है। यहाँ प्राप्त प्रशिक्षण से मुझे अपने कार्यक्षेत्र में लाभ प्राप्त होगा। नार्थ बंगाल के एन.बी. वी.ए.के.एम.एच. म्यूजियम से आये डॉ. मलय शाह ने भी कार्यशाला के बारे में अपने अनुभव साझा किए। आयुष मंत्रालय के नितेश विश्वकर्मा ने बताया कि यहां पर पांडुलिपियों पर जो संरक्षण कार्य किया जा रहा है, उससे हमें जो जानकारी मिली है। उसका प्रयोग हम भी अपने कार्यालय में करेंगे। कार्यशाला का संयोजन संरक्षण सहायक करवेंद्र सिंह ने किया। इसमें उनका सहयोग महेंद्र सिंह, प्रियंका खण्डेलवाल, योगिता एवं दीक्षा ने किया।

नगर निगम की बैठक में 17.70 करोड़ के विकास प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

मथुरा-वृंदावन में स्ट्रीट लाइट सड़कें और नाले बनेंगे

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम मथुरा-वृंदावन के महापौर विनोद अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में 15 वें वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि से करीब 17.70 करोड़ रुपये के विकास प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई है। इन प्रस्तावों के अंतर्गत मथुरा और वृंदावन क्षेत्र में विभिन्न निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य कराए जाएंगे। स्वीकृत प्रस्तावों में डेंपियर नगर क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटिंग के माध्यम से सौंदर्यीकरण कार्य, कृष्णा नगर से सौंख रोड होते हुए मंडी चौराहे तक स्ट्रीट लाइटिंग द्वारा सौंदर्यीकरण कार्य तथा

विनोद अग्रवाल

शहर के विभिन्न पार्कों का विकास शामिल है। इसके अतिरिक्त वृंदावन में लक्ष्मण शहीद पार्क से मुखर्जी पार्क

शहर में होंगे कई सौंदर्यीकरण व निर्माण कार्य

तक जल निकासी व्यवस्था के लिए पाइपलाइन बिछाने का कार्य और भूतेश्वर तिराहे से मसानी चौराहे तक सीवर लाइन डालने का प्रस्ताव भी स्वीकृत किया गया है। नगर निगम क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए वॉटर टैंकर क्रय करने के लिए भी धनराशि आवंटित की गई है। वृंदावन के वार्ड संख्या 34 में हरदेव नगर कॉलोनी, राधा निवास कॉलोनी और आदर्श नगर कॉलोनी में सड़क व नाली निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। वार्ड संख्या 19 में गौड़ीय मठ वाली रोड का निर्माण, वार्ड संख्या 45 में आनंद नगर कॉलोनी व राधा कृष्ण वाटिका कॉलोनी में सड़क व नाली निर्माण, वार्ड संख्या 3 में ब्रह्मपुरी कॉलोनी के मुख्य मार्ग पर आरसीसी नाला निर्माण तथा गिरधरपुर में आरसीसी नाला निर्माण कार्य भी प्रस्तावों में शामिल हैं। साथ ही वार्ड संख्या 27 में नाला निर्माण और वार्ड संख्या 41 धौलीप्याऊ मुख्य मार्ग पर नाला व सड़क निर्माण कार्य के लिए भी धनराशि स्वीकृत की गई है।

स्व. श्री भगवान दास अज्ञानी

उठावनी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्य पिताजी भगवान दास अज्ञानी पुत्र स्व. श्री इन्द्रजीत का गोलोकवास दिनांक 12.03.2026 को हो गया हैं। उठावनी दिनांक 13.03.2026 दिन शुक्रवार को महिलाओं एवं पुरुषों की सायं: 4 से 5 बजे तक स्थान- गुरुद्वारा अन्तापाडा, होली गेट मथुरा पर होगी।

शोकाकुल:-

बांके बिहारी-लवली, कुंज बिहारी-आरती,आलोक-उर्वशी (पुत्र-पुत्रवधु)
डौली-संजय, नीतू-रवि, सोनिया-दुष्यन्त (पुत्री-दामाद)
समर्थ, केशव, कार्तिक, माधव, आरव, उन्नति (पौत्र-पौत्री)

फर्म:- बृजवासी चाट भंडार

मोबाइल नं.9760011337, 9412120090

एक जोगी खड़ा तौरे द्वार मैया मोहे दरस करा दें...

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। बड़ी परिक्रमा मार्ग चरणामृत कुंड पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन संत चिन्मयानंद बापू महाराज ने भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया जिनको सुनकर सभी भक्तजन का भाव विभोर हो गये। कथा सुनाते हुए भागवत व्यास संत चिन्मयानंद बापू महाराज ने भगवान और शिष्य के अनेक वृतांत सुनाए और बताया कि किस प्रकार श्रीमदभागवत मनुष्य का मार्ग दर्शन करते हुए उसे जीवन जीने की राह और कला सिखाती है और बताती है कि रिश्तों को कैसे मजूबती प्रदान की जाए।

भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद उनकी बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए बापू महाराज ने कहा कि भगवान भोलेनाथ को पता चला कि श्रीकृष्ण नंद बाबा के यहां हैं। तो श्रीकृष्ण के दर्शन करने के लिए नंद जी के घर के आगे खड़े होकर कहते है – एक जोगी खड़ा तौरे द्वार मैया मोहे दरस करा दें। माता यशोदा ने उनकी आवाज सुनकर उन्हें भिक्षा देने के लिए आटा-दाल लेकर आई लेकिन शंकर ने वह सब लेने से इंकार कर दिया और कहा कि मुझे तो

चिन्मानंद बापू ने किया बाल लीलाओं का वर्णन

सिर्फ अपने लला के दर्शन करवा दो। यशोदा माता ने इंकार कर दिया, बस फिर क्या था भोले शंकर बैठ गए धूना लगा कर उनके द्वार पर। माता यशोदा नंद जी से बात की तो नंद बाबा ने उनको लला के दर्शन करवाने के लिए कहा। भगवान शिव ने जब श्रीकृष्ण जी के दर्शन किए तो उनकी आंखों से पानी टपकने लगा। उन्होंने कहा कि प्रभु आपके दर्शन करने के लिए मुझे बड़े बेलन बेलने पड़े हैं। आंखों ही आंखों में दोनों का वार्तालाप हुआ। इस अवसर पर पूर्व विधायक ठा. कारिंदा सिंह, सियाराम शर्मा, मुरारी लाल गोयल, हर्ष गोयल, व्यापार मंडल के अध्यक्ष गणेश पहलवान आदि उपस्थित थे।

वेटरिनरी की कंज्यूमर्स सोसायटी का चुनाव

डॉ. रजनीश सिरोही अध्यक्ष व डॉ. विकास पाठक संरक्षक बने

यूनिक समय, मथुरा। यूपी कॉलेज ऑफ वेटरिनरी साइंस की कंज्यूमर्स कोऑपरेटिव सोसाइटी की कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ। सोसाइटी के निर्वाचन के लिए जिलाधिकारी ने कृषि प्रसार अधिकारी हेमंत शर्मा को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया था। चुनाव में डॉ. रजनीश सिरोही को सोसाइटी का अध्यक्ष, डॉ. विकास पाठक, अधिष्ठाता, पशु चिकित्सा संकाय को संरक्षक नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त डॉ. मुकेश श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष, डॉ. मीना गोस्वामी को सचिव तथा डॉ. प्रदीप कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया। इनके साथ ही 9 सदस्यों को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय समुदाय को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने सोसायटी को शीघ्र ही स्टेशनरी शॉप, ग्रोसरी स्टोर, पशु औषधि केंद्र तथा जन औषधि केंद्र की स्थापना करने को भी कहा, जिससे विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, कर्मचारियों एवं आसपास के लोगों को आवश्यक वस्तुएँ सुलभ रूप से उपलब्ध हो सकें।

सात दिवसीय एनएसएस आवासीय विशेष शिविर

गांधी इंटर कॉलेज के एनएसएस शिविर का शुभारंभ करते प्रधानाचार्य के साथ अन्य।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। गुरुवार को गांधी इंटर कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय आवासीय विशेष शिविर का शुभारंभ गांव रनवारी में मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य डॉक्टर बीके सारस्वत तथा विशिष्ट अतिथि देवी सिंह ने किया। कार्यक्रम अधिकारी दीनानाथ शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। छात्रों ने ग्रामीणों को घर-घर जाकर रैली के माध्यम से जागरूक किया।

संचालन हरिराम यादव ने किया। इस अवसर पर टीकम सिंह चौधरी, मंजू सिंह, राजीव, सुरेंद्र कुमार, विजयपाल सिंह, रामहेत, नारायण सिंह तथा रोहन सिंह आदि उपस्थित थे।

भजनों के संग गुरु कृपा विलास में मना होली मिलन

यूनिक समय, मथुरा। गुरु कृपा विलास में श्री कृष्ण संकीर्तन मंडल (रजि.) द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भजन सम्राट गोविंद भार्गव ने राधा-कृष्ण के होली भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। "मेरा खोया गया बाजूबंद" जैसे भजनों पर महिलाओं ने उत्साहपूर्वक नृत्य कर आनंद लिया। समारोह में अनिल कसेरे, प्रमिल कसेरे, अनिल ड्रेस वाले, प्रदीप माहेश्वरी, राजकुमार भार्गव, शिवकुमार गोस्वामी, सपा नेता अनिल तथा शैलेश अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं।

मथुरा में 13-14 मार्च को जिला स्तरीय जूनियर खेल प्रतियोगिताएं

यूनिक समय, मथुरा। खेल विभाग उत्तर प्रदेश, लखनऊ के तत्वावधान में जिला खेल कार्यालय स्पोर्ट्स स्टेडियम गणेशरा में दो दिवसीय 13 व 14 मार्च को सुबह 10 बजे से जिला स्तरीय जूनियर वर्ग की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। जिला क्रीड़ा अधिकारी राकेश कुमार यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, तलवारबाजी, कुश्ती, जूडो, वॉलीबॉल, बॉक्सिंग, हैंडबॉल और कबड्डी होंगी। जिले के विभिन्न विद्यालयों के जूनियर वर्ग के खिलाड़ी भाग लेगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए किसी प्रकार का प्रवेश शुल्क नहीं रखा गया है। विजेता खिलाड़ियों को विभाग की ओर से पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को अपने साथ विद्यालय के लेटर पैड पर प्रधानाचार्य द्वारा हस्ताक्षरित आयु प्रमाण पत्र या नगर निगम का जन्म प्रमाण पत्र अथवा आधार कार्ड अनिवार्य रूप से लाना होगा।

सिम्स हॉस्पिटल में विश्व किडनी दिवस पर नि:शुल्क किडनी हेल्थ कैंप

सिम्स हॉस्पिटल में विश्व किडनी दिवस पर डॉक्टर्स एवं पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सिम्स हॉस्पिटल में विश्व किडनी दिवस के अवसर पर नि:शुल्क किडनी (रीनल) हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का शुभारंभ मथुरा के एसपी सिटी राजीव कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया और लोगों को किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। कैंप में नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. आशीष शर्मा और यूरोलॉजिस्ट डॉ. शिवकुमार चाहर ने करीब 60 से अधिक मरीजों को नि:शुल्क परामर्श दिया। साथ ही ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच नि:शुल्क की गई। रेडियोलॉजी एवं पैथोलॉजी जांचों पर 30 प्रतिशत तथा बीएमसी और यूरोफ्लोमैट्री जांच पर 50 प्रतिशत की छूट दी गई। कैंप में यूरिन इंफेक्शन, प्रोस्टेट, गुर्दे की पथरी और डायलिसिस से जुड़े मरीजों की जांच की गई। इस अवसर पर हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. गौरव भारद्वाज ने कहा कि अस्पताल बृजवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और यहां किडनी रोगों के उपचार के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

कल अलविदा के जुमे की नमाज को लेकर प्रशासन अलर्ट

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रमजान के पाक माह का कल अलविदा के जुमे की नमाज को लेकर पुलिस प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। इसके साथ ही शहर और देहात की जिन मस्जिदों में कल नमाज होगी वहां पर सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। रमजान माह में अंतिम जुमा कल है। इस जुमे को अलविदा का जुमा भी कहा जाता है। इस जुमे की नमाज के लिए बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग नमाज अदा करने के लिए

शहर में रहेगी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

मस्जिदों के आसपास पुलिस रहेगी तैनात

मस्जिदों में जाता है। वैसे तो हर जुमे को मस्जिदों में नमाजियों की अधिक संख्या होती है। रमजान के महीने में इस जुमे का विशेष महत्व होता है। अलविदा के जुमे की नमाज को शांतिपूर्ण माहौल में अदा करने के लिए पुलिस प्रशासन ने पूरी तैयारियां कर ली है।

एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को आदेश दिया गया है कि उनके क्षेत्रों में जिन मस्जिदों में अलविदा के जुमे की नमाज पढ़ी जाएगी वहां पर पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाए। जिन पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाए वो नमाज अदा होने तक अपनी ड्यूटी पर रहें। इसके साथ ही शहर में सुरक्षा के लिए पुलिस गश्त बड़ा दी जाएगी। चौराहों पर पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा। इसके साथ ही शहर की शाही मस्जिद ईदगाह और चौक बाजार की जामा मस्जिद के आस-पास के क्षेत्रों में पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा। एसपीआरए सुरेशचंद रावत ने बताया कि अलविदा के जुमे की नमाज को लेकर सभी ग्रामीण इलाके के थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में नमाज के दौरान कड़ी सुरक्षा बरतने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मस्जिदों के आस-पास पुलिस कर्मियों को तैनात कर शांतिपूर्ण माहौल में नमाज अदा कराई जाएगी।

झगड़े के दो वांछित गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने डांगोली तिराहे से दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गांव जाबरा में हुए झगड़े के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त खजान सिंह व गुड्डू निवासी जावरा को डांगोली तिराहे के समीप से गिरफ्तार किया है।

सार्वजनिक सूचना

मैं राजकुमार अग्रवाल पुत्र जमुना प्रसाद निवासी 317 गोदावरी अशोका नगर, मथुरा बांगर, मथुरा उ.प्र. 281004 सूचित करता हूँ कि मेरा एक प्लॉट जो मौजा बाकलपुर खसरा 176 पर स्थित है जोकि मथुरा में वही सं 1, जिल्द सं 14452 के पृष्ठ 155 से 184 तक कमांक 15925 पर दि. 16.11.2018 पर दर्ज है, रास्ते में कहीं खो गया है जिसका प्रयोग अवैध होगा।

जंग की आंच रसोई तक: एलपीजी संकट गहराने की आशंका

जंग लंबी छिड़ी तो सरकार कहां से लाएगी गैस

भारत के पास एलपीजी कितने दिन की बची

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब आम लोगों की रसोई तक पहुंचने लगा है। कई शहरों में गैस सिलेंडर की बुकिंग और डिलीवरी में देरी की शिकायतें सामने आ रही हैं। भोपाल के निवासी आदित्य की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। उन्होंने 6 मार्च को आईपीआरएस के जरिए गैस सिलेंडर बुक किया, लेकिन सामान्यतः एक दिन में मिलने वाला सिलेंडर तीन दिन बाद भी नहीं पहुंचा। जब उन्होंने दोबारा कॉल किया तो नंबर ही काम नहीं कर रहा था। अंततः उन्हें गैस एजेंसी जाकर लंबी मशक्कत के बाद सिलेंडर हासिल करना पड़ा। ऐसी स्थिति केवल भोपाल तक सीमित नहीं है। देश के कई राज्यों में गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने की खबरें मिल रही हैं। होटल, रेस्टोरेंट और घरेलू उपभोक्ता सभी इस संकट से जूझ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और समुद्री मार्गों में बाधा के कारण एलपीजी की सप्लाई प्रभावित हुई है, जिसका असर धीरे-धीरे भारत में दिखाई देने लगा है। भारत में हर साल करीब 33 मिलियन मीट्रिक टन एलपीजी की खपत होती है। घरेलू सिलेंडर के हिसाब से यह लगभग 235 करोड़ सिलेंडर सालाना यानी रोजाना करीब 64 लाख सिलेंडर के बराबर है। इसमें से लगभग 88 प्रतिशत गैस घरों में खाना बनाने के लिए उपयोग होती है, जबकि शेष 12 प्रतिशत गैस होटल, रेस्टोरेंट और उद्योगों में इस्तेमाल की जाती है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत अपनी जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी विदेशों से आयात करता है, जबकि बाकी देश की रिफाइनरियों में तैयार होती है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय सप्लाई बाधित होने पर घरेलू बाजार पर सीधा असर पड़ना स्वाभाविक है।

कई राज्यों में दिखने लगी किल्लत: देश के अलग-अलग हिस्सों से गैस सिलेंडर की कमी की खबरें आ रही हैं। मध्य प्रदेश में कॉमर्शियल सिलेंडर न मिलने से होटल और रेस्टोरेंट संचालक परेशान हैं। राजस्थान में कॉमर्शियल गैस की सप्लाई लगभग ठप हो गई है और कुछ जगहों पर सिलेंडर महंगे दामों पर बिकने की शिकायतें सामने आई हैं। उत्तर प्रदेश में बुकिंग के बाद कई दिनों तक सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं और एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं। बिहार और पंजाब में भी गैस बुकिंग और डिलीवरी में दिक्कतें देखी जा रही हैं।

रसोई गैस नहीं तो आपके पास ये हैं विकल्प

देशभर में एलपीजी की किल्लत ने रसोई को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। घरेलू सिलेंडरों की कमी और लंबी कतारों के बीच, लोगों के पास अब कुछ वैकल्पिक उपाय हैं।

इंडक्शन कुकटॉप- बिजली से चलने वाला विकल्प, आधे घंटे में केवल एक यूनिट बिजली खर्च करता है।

सोलर कुकर- धूप से काम करने वाला, एक बार निवेश के बाद बिना गैस या बिजली के चावल, दाल और सब्जी बनती है।

इलेक्ट्रिक प्रेशर कुकर- कम बिजली में खाना पकाने की सुविधा, सवा घंटे में एक यूनिट बिजली खपत।

बायोगैस प्लांट- छोटे प्लांट से गोबर, कचरा और बचा खाना से गैस उत्पन्न होती है। इससे हर महीने 15-20 दिन की गैस मुफ्त मिल सकती है। इस संकट में परिवारों के लिए वैकल्पिक समाधान समय पर जरूरी हैं, ताकि खाना पकाने में कोई रुकावट न आए और घरेलू जीवन सहज बना रहे।

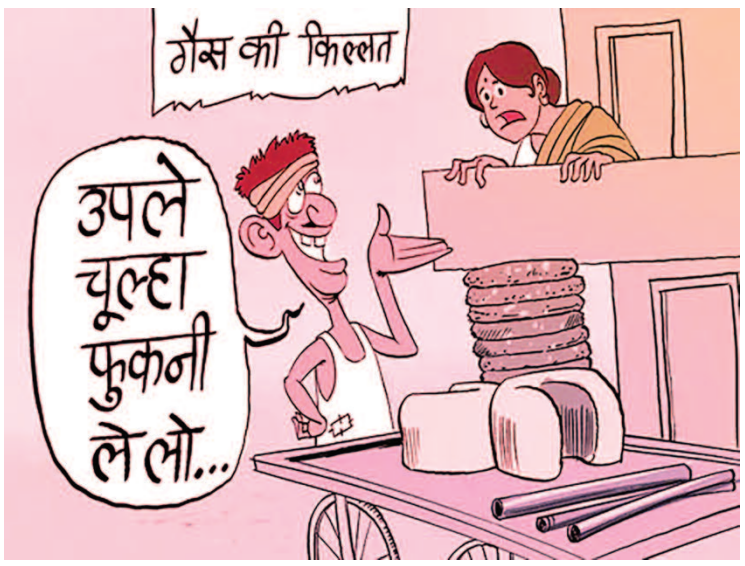

बड़े शहरों में भी असर दिखाई दे रहा है। मुंबई और पुणे में कुछ होटल गैस की कमी के कारण सीमित मेन्यू के साथ काम कर रहे हैं, जबकि बेंगलुरु और हैदराबाद में कई रेस्टोरेंट्स ने शिकायत की है कि उन्हें कई दिनों से कॉमर्शियल सिलेंडर की डिलीवरी नहीं मिली।

क्या होती है एलपीजी: एलपीजी यानी लिक्विड पेट्रोलियम गैस मुख्य रूप से दो गैसों-प्रोपेन और ब्यूटेन-का मिश्रण होती है। यह सीधे जमीन से नहीं निकलती, बल्कि कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा रिफाइनिंग के दौरान बनने वाला एक उप-उत्पाद होती है।

जंग से क्यों प्रभावित हुई सप्लाई: भारत को खाड़ी देशों-जैसे यूएई, कतर, सऊदी अरब और कुवैत-से बड़ी मात्रा में एलपीजी और पेट्रोलियम उत्पाद मिलते हैं। इन देशों से आने वाले जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरना पड़ता है। हालिया युद्ध और तनाव के कारण इस समुद्री मार्ग पर जहाजों की आवाजाही काफी कम हो गई है। पहले जहां रोजाना सैकड़ों जहाज गुजरते थे, अब उनकी संख्या बहुत कम रह गई है। इससे तेल और गैस की सप्लाई पर असर पड़ा है।

भारत के पास कितना स्टॉक: मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक देश में एलपीजी का करीब 10 दिन का बफर स्टॉक मौजूद है। हालांकि सरकार का कहना है कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है।

सरकार ने जमाखोरी रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत निगरानी बढ़ा दी है और रिफाइनरियों को अधिक उत्पादन करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही अमेरिका, नॉर्वे, ऑस्ट्रेलिया और कुछ अफ्रीकी देशों से गैस आयात के विकल्प भी तलाशे जा रहे हैं।

क्या करना चाहिए आम लोगों को

विशेषज्ञों का कहना है कि घबराकर गैस जमा करने से स्थिति और बिगड़ सकती है। इसलिए उपभोक्ताओं को संयम रखना चाहिए और गैस का उपयोग सावधानी से करना चाहिए।

यदि अंतरराष्ट्रीय हालात जल्दी सामान्य हो जाते हैं तो सप्लाई भी धीरे-धीरे पटरी पर लौट सकती है। लेकिन अगर तनाव लंबा खिंचता है तो सरकार को नए स्रोतों से गैस आयात कर घरेलू जरूरतों को पूरा करना पड़ेगा।

फिलहाल यह संकट याद दिलाता है कि ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता और वैकल्पिक ईंधन की दिशा में तेज कदम उठाना कितना जरूरी है।

यूपी में 31 निगरानी स्थलों की रिपोर्ट ने खोली प्रदूषण की असल तस्वीर

बीस हजार करोड़ रुपये खर्च के बाद भी गंगा मैली

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा / लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गंगा नदी को स्वच्छ बनाने के लिए चलाए जा रहे बड़े अभियानों के बावजूद वर्ष 2025 की नवीनतम पर्यावरणीय रिपोर्ट ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कन्नौज से बलिया तक गंगा के 31 निगरानी स्थलों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि अधिकांश स्थानों पर गंगा का जल क्लास-सी और क्लास-डी श्रेणी में दर्ज किया गया है। इसका अर्थ है कि यह पानी सीधे पीने योग्य नहीं है और इसे उपयोग से पहले पारंपरिक शोधन की आवश्यकता होती है। कुछ स्थानों पर जल गुणवत्ता इतनी खराब पाई गई कि वह केवल मत्स्य पालन या वन्यजीव प्रजनन के लिए ही उपयुक्त माना गया। रिपोर्ट जनवरी से दिसंबर 2025 तक किए गए मासिक परीक्षणों पर आधारित है। इसमें पीएच, घुलित ऑक्सीजन, जैविक ऑक्सीजन मांग, रासायनिक ऑक्सीजन मांग, विद्युत चालकता और फीकल कोलीफॉर्म जैसे प्रमुख मानकों का विश्लेषण किया गया। सबसे चिंताजनक स्थिति कानपुर और वाराणसी क्षेत्र में सामने आई। कानपुर के जाजमऊ क्षेत्र में औसत बीओडी स्तर 3.6 मिलीग्राम/लीटर दर्ज किया गया, जबकि फीकल कोलीफॉर्म 7300 एमपीएन/100 मिलीलीटर तक पाया गया। डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में यह संख्या 77,000 एमपीएन/100 मिलीलीटर तक पहुंच गई। वाराणसी डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में भी बीओडी लगभग 3.5 मिलीग्राम/लीटर और कोलीफॉर्म 13,947 एमपीएन/100 मिलीलीटर दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार गोमती और अन्य सहायक नदियों से आने वाला प्रदूषण भी इसमें बड़ी भूमिका निभा रहा है। पर्यावरण वैज्ञानिकों का कहना है कि गंगा प्रदूषण का लगभग 80 प्रतिशत कारण असंसाधित सीवेज है। लखनऊ, कानपुर और अन्य शहरों से निकलने वाला सीवेज सीधे नदी में पहुंच जाता है। इसके अलावा कानपुर के चमड़ा उद्योगों से निकलने वाला अपशिष्ट भी प्रमुख कारण माना गया है। सरकार की नमामि गंगे परियोजना के तहत 100 से अधिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए गए हैं, लेकिन रिपोर्ट बताती है कि इनकी वास्तविक उपयोग क्षमता लगभग 60 प्रतिशत ही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सीवेज प्रबंधन और औद्योगिक अपशिष्ट नियंत्रण को सख्ती से लागू नहीं किया गया, तो गंगा की पारिस्थितिकी और मानव स्वास्थ्य दोनों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

रिपोर्ट में चौंकाने वाले आंकड़े

यूनिक समय, मथुरा / लखनऊ। वर्ष 2025 की गंगा प्रदूषण रिपोर्ट ने नदी की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ा दी है। कन्नौज से बलिया तक 31 निगरानी स्थलों पर किए गए अध्ययन में कई शहरों में प्रदूषण के स्तर को गंभीर बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार कानपुर और वाराणसी सबसे अधिक प्रभावित शहरों में शामिल हैं। कानपुर में औसत बीओडी 3.6 मिलीग्राम प्रति लीटर दर्ज की गई, जबकि फीकल कोलीफॉर्म की अधिकतम मात्रा 77,000 एमपीएन प्रति 100 मिलीलीटर तक पहुंच गई। क्षेत्र में 100 से अधिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट होने के बावजूद उनकी कुल क्षमता 2161 एमएलडी है, लेकिन वास्तविक उपयोग लगभग 60 प्रतिशत ही हो रहा है। रिपोर्ट में गंगा प्रदूषण का मुख्य कारण 80 प्रतिशत असंसाधित सीवेज बताया गया है।

सुविचार

किस्मत को कोसने से बेहतर है, खुद को बदलना।

कल का पंचांग

तिथि	दशमी	06:29-08:11 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा	12:43-03:03 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय		06:41 AM	चन्द्रोदय	02:35 AM
सूर्यास्त		06:31 PM	चंद्रास्त	01:14 PM
सूर्य राशि		कुंभ राशि	चंद्र	धनु राशि
शुभ मुहूर्त		12:08PM -12:50 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:018-06:05
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल		11:07AM:12:36PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

अगर बीमारियां नहीं छोड़ रही हैं पीछा तो धारण करें यह धातु, मिलेगा आराम

यूनिक समय, मथुरा। धातुओं का सही प्रयोग विभिन्न बीमारियों में लाभकारी हो सकता है। सोना दिल मजबूत करता है, चांदी शीतलता देती है, तांबा रक्त शुद्ध करता है, पीतल सांस की समस्या दूर करता है।

अक्सर हमने देखा है कि लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि उनके द्वारा किस धातु का प्रयोग किया जाए। लोग पूछते हैं कि सोना या चांदी या अन्य कोई धातु उनके लिए शुभ है या नहीं। आज हम आपको सभी धातुओं के अलग–अलग लाभ बताने जा रहे हैं। यदि आपको कोई बीमारी लगी रहती है तो आप अपनी सुविधा और बीमारी के अनुसार उसे धातु का अपने ऊपर प्रयोग कर सकते हैं। आईए जानते हैं किस बीमारी में हमें किस धातु का प्रयोग करना चाहिए।

यदि कोई व्यक्ति सोने की अंगूठी अनामिका उंगली में पहना है इससे उसका ब्लड सर्कुलेशन अच्छा हो जाता है और दिल मजबूत होता है।

चांदी की पायल मस्तिष्क में शीतलता देती है इसलिए पैरों में चांदी की पायल पहनने से शरीर की गर्मी संतुलित रहती है और मासिक धर्म में नियमितता बनी रहती है।

कलाई में तांबे का कड़ा पहनने से व्यक्ति का रक्त शुद्ध होता है और टॉक्सिन बाहर निकलने लगते हैं।

यदि आप अपने हाथ में पीतल की एक चूड़ी पहनते हैं तो इससे आपकी सांस से संबंधित समस्या खत्म हो जाती है और फेफड़े मजबूत होते हैं।

मन की शांति के लिए व्यक्ति को अपने गले में भारत की माला पहननी चाहिए। इससे उसका ध्यान और मजबूत हो जाता है। दाहिने हाथ की कलाई में यदि आप कांसे का कड़ा पहनते हैं तो इससे आपकी याददाश्त तेज हो जाएगी। छात्रों का पढ़ाई में मन लगने लगेगा।

किसी भी हाथ की मध्यमा उंगली में लोहे की रिंग पहनने से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ता है और शारीरिक कमजोरी दूर होती है।

तर्जनी उंगली में जस्ता की अंगूठी पहनने से घाव जल्दी भर जाता है और किसी भी प्रकार का संक्रमण नहीं होता है। डायबिटीज से पीड़ित लोग इस अंगूठी को पहने इससे उनकी चोट आदि के घाव शीघ्र भर जाएंगे।

यदि आपके मन में सदैव ही नकारात्मक विचार आते हैं या रात में सोते समय खराब सपने आते हैं तो आपको गले में पंचधातु की माला पहननी चाहिए। इससे आपके अंदर से नकारात्मकता दूर हो जाएगी।

यदि किसी व्यक्ति को एजिंग की समस्या है तो उसे प्लैटिनम का लॉकेट पहनना चाहिए। लॉकेट सदैव ही हृदय के पास रहना चाहिए। इससे आपकी चेहरे पर भी चमक बढ़ जाएगी।

यदि कोई व्यक्ति मानसिक रूप से बीमार रहता है तो उसे गले में चांदी की माला पहनना चाहिए। इससे उसका तनाव कम होगा और मानसिक शांति मिलेगी।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 15 मार्च, दिन रविवार: पापमोचनी एकादशी
- 16 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 17 मार्च, दिन मंगलवार: चैत्र मासिक शिवरात्रि
- 19 मार्च, दिन बृहस्पतिवार: चैत्र अमावस्या, चैत्र नवरात्रि प्रारंभ
- 22 मार्च, दिन रविवार: वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

मेष राशि के लिए कल का दिन उत्साह और नई ऊर्जा से भरा रह सकता है। नवम भाव में चंद्रमा और लाभ भाव में सूर्य–मंगल के प्रभाव से भाग्य का साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सक्रियता बढ़ेगी और नए अवसर मिल सकते हैं।

वृषभ राशि वालों को कल संयम और धैर्य से काम लेने की जरूरत है। अष्टम भाव का चंद्रमा मानसिक तनाव दे सकता है, लेकिन कार्यस्थल पर मेहनत की सराहना होगी। व्यापारियों को पुराने ग्राहकों से लाभ मिल सकता है।

मिथुन राशि के जातकों के लिए कल का दिन सकारात्मक रह सकता है। सप्तम भाव का चंद्रमा और लग्न में बृहस्पति व्यक्तित्व को निखारेंगे। नई योजनाओं पर काम शुरू हो सकता है और व्यापार में नए संपर्क लाभदायक साबित होंगे।

कर्क राशि को काम में सावधानी बरतने की सलाह है। छठे भाव का चंद्रमा और राहु–मंगल के प्रभाव से विरोधियों से सतर्क रहना होगा। हालांकि कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। शुभ अंक 2 और शुभ रंग सफेद रहेगा।

सिंह राशि के लिए दिन आत्मविश्वास बढ़ाने वाला हो सकता है। पंचम भाव का चंद्रमा और केतु का प्रभाव बुद्धि को प्रखर बनाएगा। कार्यक्षेत्र में प्रतिभा की सराहना और व्यापार में लाभ के योग हैं।

कन्या राशि के जातकों को घरेलू और आर्थिक मामलों में सावधानी बरतनी चाहिए। चतुर्थ भाव का चंद्रमा और सूर्य–राहु के प्रभाव से तनाव की स्थिति बन सकती है, लेकिन योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर सफलता मिलेगी।

तुला राशि के लिए कल का दिन संतुलन और समझदारी से आगे बढ़ने का है। तृतीय भाव का चंद्रमा पराक्रम बढ़ाएगा और कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं बन सकती हैं। व्यापार में भी सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

वृश्चिक राशि को वाणी पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। द्वितीय भाव का चंद्रमा धन संबंधी मामलों में सावधानी की सलाह देता है। कार्यक्षेत्र में चुनौतियां आएंगी लेकिन धैर्य से समाधान मिलेगा।

धनु राशि वालों के लिए दिन उत्साह और सकारात्मक सोच लेकर आएगा। चंद्रमा का गोचर आपकी ही राशि में हो रहा है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा और मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है।

मकर राशि के जातकों को खर्चों पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। द्वादश भाव का चंद्रमा आर्थिक मामलों में सावधानी का संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में प्रयास सफल हो सकते हैं और व्यापार में धीरे–धीरे लाभ की स्थिति बनेगी।

कुंभ राशि के लिए चतुर्ग्रही योग और लाभ भाव का चंद्रमा आर्थिक लाभ के अवसर दे सकता है। नई योजनाएं शुरू करने और व्यापार बढ़ाने के लिए समय अनुकूल है।

मीन राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में अपनी छवि पर ध्यान देने की जरूरत है। शनि–शुक्र की युति कुछ चुनौतियां ला सकती है, लेकिन दिन के अंत में प्रगति के अवसर भी मिल सकते हैं।

बहुत खराब हैं ये मोबाइल नंबर, जीवनसाथी के लिए बन सकते हैं मुसीबत !

यूनिक समय, मथुरा। मोबाइल नंबर में 67, 76, 27 या 72 होने से जीवनसाथी के स्वास्थ्य और ज्वाइंट पेन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे नंबर बदलकर अनुकूल मूलांक और भाग्यांक वाला नंबर चुनें। मोबाइल न सिर्फ हमारे बात करने का साधन है बल्कि मनोरंजन और हमारी पहचान का आधार भी है। हमारा मोबाइल नंबर किसी भी व्यक्ति के पास हमारी पहचान के रूप में दर्ज है। हम जिस मोबाइल का प्रयोग करते हैं उस मोबाइल के अंक हमारे जीवन पर अपना पूरा प्रभाव रखते हैं। अंक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार प्रत्येक अंक का हमारे जीवन पर पूर्ण प्रभाव होता है। अंकों के माध्यम से न सिर्फ हम तरक्की करते हैं बल्कि खराब अंक हमारे जीवन में दिक्कतें भी पैदा करते हैं। एक अच्छा मोबाइल नंबर हमारी किस्मत बदल सकता है तो वहीं मोबाइल एक नंबर में मौजूद एक खराब अंक हमारे जीवन को बुरी तरह दुविधाओं के जाल में फांस सकता है। आज हम ऐसे अंको के बारे में चर्चा करेंगे जो हमारे कामों को रोक देते हैं और जीवन में कष्ट और दिक्कतों का अंबार लगा देते।मोबाइल नंबर में 67 अथवा 76 का होना : पूरे मोबाइल नंबर में यदि अंक 67 और 76 कहीं भी एक जगह पर आ जाते हैं तो ऐसा व्यक्ति अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य की वजह से परेशान रहता है। इनके जीवन साथी का स्वास्थ्य इस कदर बिगड़ जाता है कि उसकी वजह से उनके सभी कार्य प्रभावित होने लगते है। इनकी मैरिड लाइफ पूरी तरह से बिगड़ी हुई रहती है। यह हमेशा अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य और व्यवहार की वजह से चिंतित रहते हैं। इनका अधिकतर धन उसके ऊपर व्यर्थ ही खर्च हो जाता है।

इस योग मुद्रा से आपके ज्ञान और शक्ति में वृद्धि होगी

त्रिखंड मुद्रा लाती है मानसिक शांति और स्थिरता

यूनिक समय, मथुरा। मुद्राओं का प्रचलन वेदकाल से संसार में चला आ रहा है। इस संसार में हमारे जीवन की बहुत सी समस्याओं का निराकरण ऋषि मुनियों द्वारा मुद्राओं की माध्यम से किया गया है। यह मुद्रा हमें किसी भी संकट से निकलने में मदद करती है। वेदकाल के समय ना लोगों के पास सुविधा थी और ना ही संसाधन। उस समय अपनी इच्छापूर्ति के लिये ऋषियों ने आमजन के लिये मुद्राज्ञान दिया। इससे लोगों की अनेकों समस्याओं का समाधान हुआ। आज हम देवी की त्रिखंड मुद्रा का दैनिक जीवन में इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं इस पर चर्चा करेंगे।

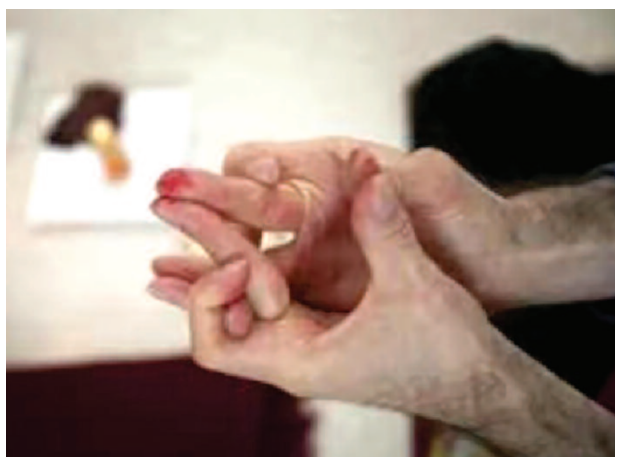

त्रिखंड मुद्रा : त्रिखंड मुद्रा देवी नित्य सुंदरी की 10 मुद्राओं में से एक प्रमुख मुद्रा है। इस मुद्रा का वर्णन वामकेश्वरतंत्र में किया गया है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्रा है इस पूजा के दौरान प्रयोग किया जाता है। यह मुद्रा देवी के तीन खंड का प्रतिनिधित्व करती है जो ज्ञान और शक्ति एवं इच्छा में वृद्धि करते हैं। इस मुद्रा का वर्णन वामकेश्वरतंत्र के तीसरे अध्याय में किया गया है।

कैसे करें त्रिखंड मुद्रा : त्रिखंड मुद्रा के लिए आपको सबसे पहले अपने दोनों हाथों को मिलाकर उंगलियों को अपने अंगूठे से जोड़ना होगा। इसके बाद अपनी उंगलियों को एक साथ सिकोड़ना होगा। इसके पश्चात अपनी उंगलियों को त्रिकोण के आकार में बनाकर देवी के समक्ष प्रार्थना करनी चाहिए। यह मुद्रा व्यक्ति के प्रत्येक उद्देश्य को पूरा करती है।

त्रिखंड मुद्रा के लाभ : त्रिखंड मुद्रा करने से व्यक्ति की बुद्धि में वृद्धि होती है क्योंकि इसका एक खंड देवी के ज्ञान खंड का प्रतिनिधित्व करता है। यह मुद्रा व्यक्ति के अंदर साहस को बढ़ाती है इसका दूसरा खंड देवी के शक्तिखंड का प्रतिनिधि है। इस मुद्रा को करने से व्यक्ति की व्यवहारिकता में वृद्धि होती है और इच्छाओं की पूर्ति होती है इसका तीसरा खंड देवी के इच्छा खंड का प्रतिनिधि है।

मानसिक शांति मिलती है : इस तनावपूर्ण दैनिक जीवन में व्यक्ति को इस मुद्रा के द्वारा मानसिक शांति और जीवन में स्थिरता मिलती है। यह मुद्रा जीवन के तीनों करो में संतुलन बनाने में कार्य करती है। इस मुद्रा को दैनिक रूप से कम से कम 5 मिनट अवश्य करना चाहिए।

विशेष अनुरोध

प्रिय पाठकों आपका अपना यूनिक समय भरपूर कोशिश करता है कि आपके पास दिनभर की चर्चा, परिचर्चा, गतिविधियाँ और नवीनतम खबरें आप तक पहुँचाए, लेकिन फिर भी हमसे त्रुटि रह जाती हैं। आपसे अनुरोध है कि सुधि पाठक होने के नाते आप हमें अवगत कराते रहे, जिससे हम और बेहतर खबरें आपको पढ़ाते रहे। .... धन्यवाद

सम्पादकीय

सुरक्षित फुटपाथ बनाएं हर पैदल यात्री मुस्कुराए

शहर के फुटपाथ अब केवल पत्थर और सीमेंट की पट्टियाँ नहीं रह गए, बल्कि ये एक साहसिक खेल का मैदान बन चुके हैं। पैदल चलना है तो पहले रुक-रुक कर पार्किंग से बचना, बिजली के ट्रांसफॉर्मर के चारों तरफ झूला झूलना और कभी-कभी सड़क पर खतरनाक जंप मारना पड़ता है। बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह रोजमर्रा का रोमांच है।

सुप्रीम कोर्ट और इंडियन रोड्स कांग्रेस जितनी भी दिशानिर्देश दे दें, स्थानीय स्तर पर उनका पालन केवल कागजों तक ही सीमित है। फुटपाथ की चौड़ाई 1.5 से 3 मीटर होनी चाहिए, लेकिन वास्तविकता में दोपहिया और छोटे वाहन आसानी से इसे अपना पार्किंग स्पेस बना लेते हैं। बारिश के बाद जलभराव, सड़क के समान स्तर पर बिछाई गई नई डामरी और मनमाने रैम्प इसे पैदल यात्रियों के लिए और भी खतरनाक बना देते हैं।

पवन गौतम
संपादक

फुटपाथ केवल पैदल आवागमन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि कई परिवारों के आजीविका का आधार भी हैं। वेंडर्स, छोटे व्यवसाय और स्ट्रीट शॉप्स यहां अपनी जीविका चलाते हैं। लेकिन शहर प्रशासन अक्सर निष्कासन-आधारित नीतियों में फंसा रहता है, जबकि चंडीगढ़ जैसे मॉडल में खुला क्षेत्र वेंडिंग और पैदल मार्ग दोनों के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है। बिजली विभाग के ट्रांसफॉर्मर, नगर निगम के शौचालय और खुले कचरे के ढेर-सब फुटपाथ पर हैं। पैदल यात्री इन सबको देखकर सोचते हैं, "शायद सड़क का किनारा ही सुरक्षित है।" 2019 के एक सर्वे के अनुसार, 72% लोग फुटपाथ का उपयोग ही नहीं करते। अब फुटपाथ पर चलना अब केवल मूल अधिकार नहीं, बल्कि साहस, संतुलन और कभी-कभी भाग्य का खेल बन गया है। जहां पैदल मार्ग पर्याप्त चौड़े हों, वहां वेंडिंग जोन और लाइसेंस प्रणाली के साथ संतुलन बनाया जा सकता है। तो शहर प्रशासन को चाहिए कि वह सिर्फ निष्कासन पर ध्यान न दे, बल्कि सुरक्षित, सम्मानजनक और व्यावसायिक रूप से उपयोगी फुटपाथ सुनिश्चित करे। वरना अगले 5 साल में शायद बच्चे स्कूल जाने के लिए पार्किंग स्पॉट रेसिंग में शामिल हों, और वरिष्ठ नागरिक सड़क पार करते समय एडवेंचर रियलिटी शो का हिस्सा बन जाएँ।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

शेयर बाजार गिरा, एसआईपी रोकना निवेशक की सबसे बड़ी भूल

बोध प्रकाश सगुणी

आज अगर आपने अपना निवेश ऐप खोला और देखा कि आपका पोर्टफोलियो लाल निशान में डूबा हुआ है, तो घबराएँ मत। आप अकेले नहीं हैं। वास्तव में, यह दृश्य अब लगभग सामान्य हो चुका है। पश्चिम एशिया में तनाव और ईरान-इज़राइल संघर्ष की आहट ने वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारत के शेयर बाजार को भी हिला दिया। बुधवार को सेंसेक्स लगभग 1,300 अंक से गिर गया, जबकि निफ्टी 50 23,900 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे चला गया। बजाज फाइनेंस जैसे दिग्गज शेयरों में लगभग 5% की गिरावट देखी गई।

हर निवेशक के मन में अब एक ही सवाल है: "क्या मैं अपनी व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) रोक दूँ?" निवेश विशेषज्ञ कहते हैं-बिल्कुल नहीं। बाजार में गिरावट डरावनी लग सकती है, लेकिन यह नॉर्मल है। पिछले दो दशकों में बाजार में कई बड़े सुधार और गिरावट देखी गई-2008 का वैश्विक वित्तीय संकट और 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान मार्केट क्रैश इसके उदाहरण हैं। इन परिस्थितियों में पैनिक करना स्वाभाविक है, लेकिन व्यवस्थित निवेश जारी रखना ही सही रणनीति है। व्यवस्थित निवेश योजना का असली फायदा तब आता है जब बाजार नीचे झूल रहा हो। गिरावट के दौरान नियमित निवेश करने से निवेशक कम कीमत पर अधिक इकाइयां प्राप्त कर पाते हैं। जैसे ही बाजार में तेजी आती है, यही निवेशक सबसे अधिक लाभ कमाते हैं।

मार्च 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण बाजार लगभग 38% गिर गया। कई निवेशक घबराकर व्यवस्थित निवेश योजना रोक बैठे, लेकिन जिन्होंने धैर्य रखा और निवेश जारी रखा, उन्होंने अगले 12-24 महीनों में भारी लाभ उठाया। भारत में 10 साल के व्यवस्थित निवेश का औसत रिटर्न लगभग 12-14% सालाना रहा, भले ही इस दौरान कई मार्केट सुधार और गिरावट हुई हो।

विशेषज्ञों का कहना है कि उतार-चढ़ाव वाले समय में एसआईपी रोकना निवेशक की अनुशासनहीनता को दर्शाता है। इक्विटी बाजार नॉन-लीनियर है-मतलब गिरावट और उछाल लगातार आते रहते हैं। घबराहट में निवेश रोकना, जैसे रोलरकोस्टर में सीट बेल्ट खोल देना। इस समय निवेशक को क्या करना चाहिए? पोर्टफोलियो की समीक्षा करें, अपने लंबी अवधि के वित्तीय लक्ष्यों पर ध्यान दें। संपत्ति आवंटन और विविधीकरण की जांच करें। गुणवत्ता वाले म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश जारी रखें। एसआईपी की निरंतरता ही मुख्य कुंजी है।

व्यवस्थित निवेश योजना निवेशकों को इस बात के लिए तैयार करती है कि बाजार उतार-चढ़ाव भरे समय में भी निवेश जारी रहे। इसे रुपए की औसत लागत की विधि भी कहा जाता है। जब बाजार गिरता है, तो वही राशि ज्यादा यूनिट खरीदती है। जब बाजार बढ़ता है, तो निवेशक कम यूनिट खरीदता है। इससे लंबी अवधि में औसत लागत कम होती है और निवेश का मूल्य बढ़ता है।

इसीलिए, बाजार में गिरावट को देखकर घबराना गलत है। बाजार अस्थिर दिख सकता है, लेकिन इतिहास बताता है कि मार्केट आखिरकार वापस ऊपर उछलता है। पिछले दो दशकों में हुए क्रैश और सुधार यही सिद्ध करते हैं। मार्केट समय-समय पर डरावनी गिरावट दिखा सकता है, लेकिन यही अवसर व्यवस्थित निवेशक के लिए सबसे अधिक लाभ का है।

विशेषज्ञ बताते हैं कि पैनिक बुकिंग और निवेश रोकने का मनोवैज्ञानिक प्रभाव बहुत बड़ा होता है। कई निवेशक मार्केट के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होकर अपने लंबी अवधि के वित्तीय लक्ष्य भूल जाते हैं। इस स्थिति में निवेशक केवल लाल निशान देखकर बेचने का निर्णय लेता है और मार्केट सुधार होने पर वह लाभ से वंचित रह जाता है।

इसी तरह, व्यवस्थित निवेश योजना के माध्यम से निवेशक को नियमित निवेश की आदत बनती है। यह अनुशासन उन्हें भावनाओं के प्रभाव से बचाता है। छोटे-छोटे निवेश समय पर करते रहना और लंबी अवधि के लक्ष्यों पर ध्यान रखना सफलता की कुंजी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि मार्केट का समय-समय पर गिरना स्वाभाविक है। यह केवल पैनिक पैदा करने का साधन नहीं है। इसके उलट, यह लंबी अवधि निवेशकों को अधिक यूनिट प्राप्त करने और औसत लागत कम करने का अवसर देता है। जैसे ही बाजार स्थिर होता है, वही निवेशक सबसे अधिक लाभ उठाते हैं।

इसके अलावा, व्यवस्थित निवेश योजना निवेशकों को जोखिम प्रबंधन का अभ्यास भी कराती है। विविधीकरण, संपत्ति आवंटन, और गुणवत्ता वाले म्यूचुअल फंड का चयन निवेशक को वित्तीय आपदाओं से सुरक्षित रखता है। बाजार में गिरावट का डर केवल सतही है; दीर्घकालिक दृष्टिकोण से यह अवसर बन जाता है।

लाल निशान और बाजार की गिरावट में एसआईपी रोकना सबसे बड़ी गलती होगी। धैर्य और अनुशासन ही लंबी अवधि में वित्तीय सफलता की कुंजी हैं। बाजार अस्थिर हो सकता है, लेकिन व्यवस्थित निवेश योजना के अनुशासन से निवेशक सुरक्षित और लाभकारी निवेश कर सकता है।

विचार विण्डो

सूचनाओं का स्वामित्व खतरे में, नागरिक सतर्क रहें

राम कुमार अग्रवाल

आज भारत सूचना और निजता के बीच जंजाल में फंसा हुआ है। अगर आपने 2023 के डिजिटल डेटा संरक्षण कानून-डीपीडीपीए-को देखा है, तो आप समझ सकते हैं कि अब हर नागरिक अपनी खुद की सूचना के प्रति चौकन्ना रहना पड़ेगा। आरटीआई कानून में किए गए संशोधन ने सूचना के पारंपरिक अधिकार को गंभीर चुनौती दी है। इस संशोधन के अनुसार अब 'व्यक्तिगत सूचना' को 'निजी सूचना' माना गया है, जिसका मतलब साफ है-बिना सहमति कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती।

सरल शब्दों में कहें, तो जो कभी जनता का अधिकार था, वह अब 'अनुमति-आधारित' राज का हिस्सा बन गया है। अगर कोई नागरिक यह जानना चाहे कि सरकारी संस्थान उसकी जानकारी कैसे इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उसे अब सिर्फ औपचारिक अनुमतियों और कानूनी जटिलताओं के बीच भटकना होगा। आरटीआइ का मूल उद्देश्य-सरकार और संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना-अब धुंधला पड़ता दिख रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस विवाद पर नोटिस जारी किया है और इसे बड़ी पीठ के सामने भेजने की संभावना है। यह याचिका नेशनल कैंपेन फॉर द पीपुल्स राइट टू इंफॉर्मेशन (एनसीपीआरआई), द रिपोर्टर्स कलेक्टिव और एक आरटीआई कार्यकर्ता ने दायर की है। मामला गंभीर है क्योंकि यह सीधे नागरिकों के सूचना के व्यक्तिगत और सामूहिक स्वामित्व से जुड़ा है।

डीपीडीपीए का मुख्य दावा था कि यह कानून नागरिकों को डिजिटल कंपनियों और संस्थाओं के सामने सशक्त बनाएगा। कहा गया कि इससे लोग अपनी जानकारी पर नियंत्रण पाएंगे और निजी डेटा का दुरुपयोग रोका जाएगा। लेकिन असलियत यह है कि इस संशोधन ने संतुलन बिगाड़ दिया है। जहां पहले आरटीआई के तहत सार्वजनिक हित में जानकारी मांगना संभव था, अब 'व्यक्तिगत सूचना' की हर मांग पर प्रतिबंध है। इसका मतलब है कि जनहित से जुड़ी कई सूचनाओं तक आम जनता की पहुंच सीमित हो जाएगी।

इससे पत्रकारिता और शोध कार्य प्रभावित होंगे। खोजी पत्रकारिता, जो अक्सर सरकारी कागजात और डेटा पर आधारित होती है, अब जोखिमपूर्ण और जटिल हो जाएगी। हर खुलासे के लिए संबंधित

व्यक्ति की सहमति लेना जरूरी होगा। सोचिए, अगर किसी सरकारी योजना में भ्रष्टाचार उजागर करना हो, तो पत्रकार को हर बार प्राधिकृत अनुमति का इंतजार करना पड़े। इससे न केवल सूचना की गति धीमी होगी, बल्कि जनता का अधिकार भी प्रभावित होगा।

डीपीडीपीए ने निजता की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं दी, लेकिन 'व्यक्तिगत डेटा', 'डिजिटल डेटा', 'सहमति' और 'डेटा उल्लंघन' जैसे शब्दों को बड़े पैमाने पर परिभाषित कर कठोर दंड का प्रावधान जोड़ा। इसका मतलब है कि बिना किसी गलती के भी कोई पत्रकार या सामाजिक कार्यकर्ता भारी जुर्माने का शिकार हो सकता है। डर और भय का माहौल निर्मित हो रहा है, जो लोकतांत्रिक संवाद और स्वतंत्र अभिव्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

इस कानून ने नागरिकों की सूचना तक पहुंच और उसके स्वामित्व के बीच संतुलन को तोड़ दिया है। 'व्यक्तिगत' और 'निजी' को एक समान मान लेना, आरटीआई के मूल उद्देश्य-पारदर्शिता और जवाबदेही-के खिलाफ है। यदि सूचना का वास्तविक स्वामी नागरिक नहीं रहेगा, तो यह शक्ति सरकार और बड़े कॉर्पोरेट संस्थानों के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। लोकतंत्र में यह सबसे बड़ा खतरा है।

इसके अलावा, डीपीडीपीए और आरटीआई का यह संशोधन डिजिटल युग में लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती पर प्रश्नचिह्न लगाता है। सूचना की पारदर्शिता और निजता दोनों का महत्व समान है। केवल निजी जानकारी की सुरक्षा पर जोर देकर, सार्वजनिक हित की जानकारी पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है। इससे नागरिक और सरकार के बीच संतुलन टूट रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कानून सूचना के अधिकार को 'सूचना न देने का अधिकार' में बदल सकता है। अगर जनता अपनी जानकारी तक नहीं पहुँच सकती, तो सरकारी योजनाओं और संस्थाओं की जवाबदेही पर भी असर पड़ेगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही का यह सबसे बड़ा संकट है।

बीसीसीआई नमन पुरस्कार समारोह 15 मार्च को

शुभमन गिल बनेंगे वर्ष के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में पिछले एक वर्ष के शानदार प्रदर्शन और ऐतिहासिक उपलब्धियों का सम्मान करने की तैयारी पूरी हो चुकी है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) 15 मार्च को नई दिल्ली में अपना वार्षिक नमन पुरस्कार समारोह आयोजित करने जा रहा है। इस समारोह में भारतीय क्रिकेट के कई दिग्गज खिलाड़ियों और टीमों को सम्मानित किया जाएगा।

रिपोर्टों के अनुसार भारत के टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल को इस वर्ष का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर पुरस्कार दिया जाएगा। पंजाब के इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज ने पिछले एक साल में शानदार प्रदर्शन करते हुए टेस्ट और एकदिवसीय दोनों प्रारूपों में बेहतरीन बल्लेबाजी की है।

दरअसल, रोहित शर्मा के बाद टीम की जिम्मेदारी संभालने वाले गिल ने कप्तान के रूप में भी अपनी क्षमता साबित की है। इंग्लैंड दौरे में उनके बल्ले से कई महत्वपूर्ण पारियां देखने को मिलीं। हालांकि बीस ओवर वाले अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में उनका प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा, लेकिन टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में लगातार रन बनाकर उन्होंने अपनी मजबूत पहचान बनाई है।

इसी वजह से बोर्ड ने उन्हें इस वर्ष के सबसे बड़े व्यक्तिगत सम्मान के लिए चुना है। गिल की कप्तानी में अभी तक भारत को कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब नहीं मिला है, लेकिन उनकी नेतृत्व क्षमता और निरंतर अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें यह सम्मान दिया जा रहा है। इस समारोह में भारतीय टीम के पूर्व मुख्य प्रशिक्षक राहुल द्रविड़ को भी बड़ा सम्मान मिलने जा रहा है। उन्हें कर्नल सी. के. नायडू आजीवन उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। द्रविड़ के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने पुरुष टी20 विश्व कप 2024 जीतकर इतिहास रचा था।

इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले मुंबई के युवा खिलाड़ी आयुष महात्रे को सीमित ओवर वाले घरेलू क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ हरफनमौला खिलाड़ी के लिए लाला अमरनाथ पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं भारत की पूर्व महिला कप्तान मिताली राज को भी आजीवन उपलब्धि सम्मान देने पर विचार किया जा रहा है।

राहुल द्रविड़ को आजीवन सम्मान

यह नमन पुरस्कार समारोह इसलिए भी खास होगा क्योंकि इसमें पिछले वर्ष अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीमों को भी सम्मानित किया जाएगा। इनमें चैंपियंस ट्रॉफी 2025, महिला क्रिकेट विश्व कप 2025, अंडर–19 क्रिकेट विश्व कप 2025, अंडर–19 महिला टी20 विश्व कप 2025 और पुरुष टी20 विश्व कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीमों के खिलाड़ी भी समारोह में शामिल होंगे।

कुल मिलाकर यह आयोजन भारतीय क्रिकेट के लिए गौरव का अवसर होगा, जिसमें देश की विभिन्न टीमों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन करते हुए कई बड़े खिताब अपने नाम किए। यह समारोह खिलाड़ियों की मेहनत, उपलब्धियों और भारतीय क्रिकेट की बढ़ती ताकत को सम्मान देने का महत्वपूर्ण अवसर बनेगा।

कृतिका कामरा और गौरव कपूर ने घर पर की सादगीभरी शादी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेत्री कृतिका कामरा और मशहूर होस्ट गौरव कपूर ने सादगी और निजी माहौल में शादी कर ली है। दोनों ने 11 मार्च की शाम मुंबई के बांद्रा स्थित अपने घर पर एक छोटे और निजी समारोह में रजिस्टर्ड मैरिज की। इस खास मौके पर केवल परिवार के सदस्य और कुछ करीबी दोस्त ही मौजूद रहे। कृतिका और गौरव ने भव्य और पारंपरिक शादी की बजाय घर पर ही सादगी से विवाह करने का फैसला किया। शादी के दौरान कृतिका कामरा लाल रंग की चंदेरी साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आईं। यह साड़ी उनके लिए और भी खास थी क्योंकि यह उन्हें उनकी मां ने उपहार में दी थी।

यह साड़ी कृतिका के अपने ब्रांड 'सिन्नाबार' द्वारा तैयार की गई है, जो पारंपरिक चंदेरी कला को संरक्षित करने और महिला कारीगरों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से काम करता है। सादगी और परंपरा के मेल ने उनके विवाह के इस खास दिन को और भी यादगार बना दिया। वहीं गौरव कपूर ने इस अवसर पर पारंपरिक अंदाज में आइवरी और गोल्ड रंग का परिधान पहना। उनका यह लुक बेहद सादगीपूर्ण और आकर्षक नजर आया। दोनों की जोड़ी इस खास मौके पर बेहद खुश और सहज दिखाई दी। शादी के बाद घर की छत पर एक छोटी सी आफ्टर पार्टी भी आयोजित की गई, जिसमें कई नामी हस्तियां शामिल हुईं। क्रिकेट जगत से वीरेंद्र सहवाग, जहीर खान और युवराज सिंह जैसे दिग्गज खिलाड़ी पहुंचे और नवविवाहित जोड़े को शुभकामनाएं दीं। वहीं फिल्म और टेलीविजन जगत से नेहा धूपिया, अंगद बेदी, सोहा अली खान, मलाइका अरोड़ा और पूजा गौर जैसे कलाकार भी इस खुशी के मौके पर मौजूद रहे।

इस खास अवसर पर कृतिका और गौरव ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जिंदगी के सबसे यादगार पल वही होते हैं जिन्हें हम अपने प्रिय लोगों के साथ साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि अपने परिवार और करीबी दोस्तों के बीच घर पर ही जीवन के नए अध्याय की शुरुआत करना उनके लिए बेहद खास और भावुक पल है।

दोनों की इस सादगीभरी शादी की चर्चा सोशल मीडिया पर भी खूब हो रही है। प्रशंसक और शुभचिंतक उन्हें नए जीवन के लिए लगातार शुभकामनाएं दे रहे हैं।

धुरंधर फिर रिलीज, दूसरे भाग का बढ़ा क्रेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। साल 2025 की चर्चित फिल्म धुरंधर को उसके दूसरे भाग की रिलीज से पहले एक बार फिर दर्शकों के लिए सिनेमाघरों में उतारा गया है। फिल्म को भारत और विदेशों में मिलाकर करीब 500 पर्दों पर दोबारा प्रदर्शित किया जा रहा है। 12 मार्च से भारत के लगभग 250 पर्दों पर इसका प्रदर्शन शुरू हुआ है, जबकि 13 मार्च से इसे विदेशों के करीब 250 पर्दों पर दिखाया जाएगा।

फिल्म के निर्माता यह कदम इसलिए उठा रहे हैं ताकि 19 मार्च को आने **वाली फिल्म धुरंधरः** द रिवेंज से पहले दर्शक पहली कहानी को बड़े पर्दे पर फिर से देख सकें। इससे नए भाग को लेकर दर्शकों में उत्साह और बढ़ने की उम्मीद है। पहले भाग ने दुनिया भर में लगभग 1300 करोड़ रुपये की कमाई की थी और इसे बड़ी सफलता मिली थी। इस बीच फिल्म के दूसरे भाग का पहला गीत "आरी आरी" भी जारी कर दिया गया है। दमदार संगीत और रैप से सजे इस गीत को संगीतकार शशावत सचदेव ने तैयार किया है। गीत को नवतेज सिंह रेहल, खान साब, जैस्मीन सैंडलस और सुधीर यदुवंशी ने आवाज दी है, जबकि इसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं।

धुरंधरः द रिवेंज 19 मार्च 2026 को दुनिया भर में रिलीज होगी। फिल्म को हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में भी प्रदर्शित किया जाएगा। त्योहारों के मौसम के कारण फिल्म से बॉक्स ऑफिस पर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

मसूरी में शाही अंदाज में होगी कुलदीप यादव की शादी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव अपनी बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ 14 मार्च को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। यह भव्य समारोह उत्तराखंड के मसूरी स्थित आलीशान होटल वेलकम होटल द सेवॉय में आयोजित किया जाएगा। शादी में शामिल होने के लिए कानपुर से परिवार और रिश्तेदार मसूरी पहुंचने लगे हैं। शादी के तीन दिन बाद यानी 17 मार्च को लखनऊ के होटल सेंट्रम में एक भव्य स्वागत समारोह भी आयोजित किया जाएगा। कुलदीप और वंशिका ने 4 जून 2025 को लखनऊ में सगाई की थी। अब उनकी शादी को लेकर तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। बताया जा रहा है कि इस पूरे समारोह का बजट दो करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। शादी में क्रिकेट और राजनीति जगत के कई खास मेहमानों के शामिल होने की संभावना है। इस शाही शादी का निमंत्रण पत्र भी इन दिनों चर्चा में है। कुलदीप यादव की शादी

का कार्ड राधा–कृष्ण थीम पर तैयार किया गया है। यह कार्ड बॉक्स के आकार में बनाया गया है और इसकी डिजाइन किसी पुराने राजमहल की झलक देती है। हल्के गुलाबी रंग के कार्ड पर बारीक फूल–पत्तियों की आकृतियां उकेरी गई हैं, जबकि किनारों पर सुनहरी नक्काशी की गई है। इसके ऊपरी हिस्से में एक सुंदर सुनहरा लॉक लगाया गया है, जो कार्ड को शाही रूप देता है। कार्ड के बीचों–बीच एक आकर्षक चित्र बनाया गया है, जिसमें महल के झरोखे के सामने खड़े एक जोड़े की आकृति दिखाई गई है। पारंपरिक लाल और हरे रंग के शाही वस्त्रों में सजे इस जोड़े की झलक राधा–कृष्ण जैसी प्रतीत होती है। इसके पीछे महल की जालीदार खिड़कियां और गुंबद दर्शाए गए हैं, जबकि नीचे तालाब में खिले कमल और पास में बैठा मोर कार्ड की सुंदरता को और बढ़ाते हैं। शादी में मेहमानों के लिए खास दावत का भी इंतजाम किया गया है। खाने के मेन्यू में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के स्वाद का खास मेल देखने को मिलेगा। कुलदीप कानपुर से ताल्लुक रखते हैं, इसलिए मेन्यू में कानपुरी व्यंजनों के साथ पहाड़ी स्वाद का मिश्रण तैयार किया गया है। मेहमानों के लिए शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह के व्यंजन रखे गए हैं। बताया जा रहा है कि एक प्लेट भोजन की कीमत लगभग 20 हजार रुपये तक पहुंच सकती है। इस शाही विवाह समारोह के लिए विशेष सजावट भी की जा रही है। पूरे कार्यक्रम की थीम राजपूताना शैली पर आधारित होगी, जिसमें महलों जैसी सजावट, पारंपरिक छतरियां और मोर की आकृतियां शामिल की जाएंगी। होटल बुकिंग, सजावट, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं को मिलाकर तीन दिन तक चलने वाले इस भव्य आयोजन पर दो करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है। कुल मिलाकर कुलदीप यादव की यह शादी शाही अंदाज, खास थीम और शानदार मेहमाननवाजी के कारण चर्चा का केंद्र बनी हुई है।

मेहमानों के लिए खास दावत

मिडिल ईस्ट तनाव से टला फ्लिपराची का भारत दौरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर के चर्चित गीत फासला से भारत में लोकप्रिय हुए बहरीन के रैपर फ्लिपराची का भारत दौरा रद्द हो गया है। उन्हें मुंबई और बेंगलुरु में लाइव प्रस्तुति देनी थी, लेकिन मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सुरक्षा कारणों के चलते उनका कार्यक्रम टाल दिया गया। फ्लिपराची को 13 मार्च को मुंबई के फीनिक्स मार्केटसिटी और 14–15 मार्च को बेंगलुरु के एक बड़े संगीत महोत्सव में प्रस्तुति देनी थी।

कार्यक्रम आयोजकों के अनुसार मौजूदा हालातों के कारण कलाकार की यात्रा संभव नहीं हो पाई। इस फैसले से फिल्म धुरंधर के निर्माताओं को भी झटका लगा है, क्योंकि 19 मार्च को रिलीज होने वाली फिल्म के प्रचार के लिए इन कार्यक्रमों की योजना बनाई गई थी। फ्लिपराची का गीत फासला पहले ही सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हो चुका है।

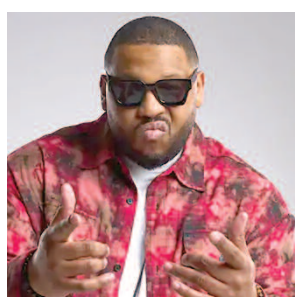

घरेलू विवाद में तीन लोगों की गला रेतकर हत्या

यूनिक समय, फतेहपुर। जिले में एक ही घर में तीन लोगों की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया। घर के बंद कमरे में मां-बेटे और देवर का शव खून से लथपथ मिला। पुलिस के अनुसार मृतकों के गले कटे हुए थे। घटना की जानकारी पड़ोसियों ने दी, जिन्होंने घर का दरवाजा तोड़कर अंदर देखा। मृतकों में सुनील श्रीवास्तव, उनकी भाभी और भतीजा अमर शामिल हैं। घायल देवर को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जांच में पता चला कि घटना से पहले घर में गैस सिलेंडर खत्म हो गया था। इससे तीनों के बीच विवाद होने की संभावना जताई जा रही है। बेटी ने बताया कि पिता और पुत्री सिलेंडर लेने

घर आए थे, लेकिन अंदर कोई जवाब नहीं मिला। पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खोला गया, तब हत्या का सच सामने आया।

स्थानीय पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर पूरे घर की जांच कराई। मौके से ब्लेड और सल्फास की पुड़ियां बरामद हुई हैं। दो लोगों के हाथों पर काटने के निशान भी मिले हैं। एडिशनल एसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह घरेलू विवाद से उत्पन्न हत्या प्रतीत होती है। संभव है कि तीनों ने एक-दूसरे

मौके से ब्लेड और सल्फास की पुड़ियां बरामद

पर हमला कर हत्या की। पुलिस मामले की गहन पड़ताल कर रही है और फॉरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर हत्या के कारणों और अपराधियों का खुलासा जल्द करने का दावा किया है। स्थानीय लोग इस घटना से दहशत में हैं और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

इस भयावह घटना ने फतेहपुर में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस अब घर के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज और पड़ोसियों से पूछताछ कर पूरे रहस्य को उजागर करने की कोशिश कर रही है।

मां-बेटे की हत्या का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

यूनिक समय, लखनऊ। मोहनलालगंज में दिव्यांग मां और उसके बेटे की हत्या का मामला सामने आया। आरोपी किशन रावत, जो पड़ोसी था, ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने महिला का गला सलवार से दबाकर हत्या की और बेटे को टब में डुबोकर मार दिया।

छानबीन में पता चला कि हत्या के बाद आरोपी ने महिला के शव के साथ दरिंदगी की। आरोपी ने शव के पास बैठकर शराब भी पी। घटना के बाद उसने घर का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। हत्या के बाद किशन ने दोस्त के घर जाकर उसे मोहनलालगंज छोड़ने के लिए कहा, लेकिन घटना का जिक्र नहीं किया। पुलिस ने लंबी तलाश के बाद किशन को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी और वह अस्पताल में भर्ती है। जांच में सामने आया कि किशन अपनी पत्नी के साथ भी अभद्र व्यवहार करता था। महिला के निजी अंगों पर चोट के निशान मिले हैं, इसलिए आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म की धारा भी जोड़ी जाएगी। पुलिस ने मौके से तमंचा और दो कारतूस बरामद किए हैं।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों का लिया जायजा

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को अयोध्या पहुंचे और 19 मार्च को प्रस्तावित राष्ट्रपति दौरे की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई और पार्किंग जैसी व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर रामकथा पार्क स्थित हेलीपैड पर उतरा। इसके बाद वह सीधे हनुमानगढ़ी मंदिर गए और पूजा-अर्चना की। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना भी की। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद श्रीराम जन्मभूमि परिसर के

यातायात प्रबंधन और साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया

पीएफसी सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें राष्ट्रपति के आगमन से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा हुई। इससे पहले मुख्यमंत्री ने देवीपाटन मंदिर में पूजा-अर्चना की और मां पाटेश्वरी के पांव पखारे। उन्होंने मंदिर की गोशाला में गायों को गुड़, चना, पूड़ी और हरा चारा खिलाया। साथ ही चैत्र नवरात्र मेले की तैयारियों और श्रद्धालुओं की सुविधा पर भी दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राष्ट्रपति दौरे के सभी पहलुओं को पूरी तरह से व्यवस्थित और सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जाए।

अमेठी में बाइक हादसा, युवक की मौत

यूनिक समय, अमेठी। अमेठी के संग्रामपुर में एक तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार युवक प्रदीप वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। वह शादी समारोह से घर लौट रहा था। घटना कालीकन-विशेश्वरगंज मार्ग पर भैरोपुर गांव के पास हुई। बताया गया कि प्रदीप वर्मा, भगतपुर निवासी और धर्मवीर वर्मा के पुत्र, रात देर में घर लौट रहे थे। रास्ते में उनकी बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि प्रदीप ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। रात में हादसे की जानकारी किसी को नहीं हो सकी। सुबह गांव के लोग सड़क किनारे युवक को पड़े देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची संग्रामपुर पुलिस ने आसपास के लोगों से जानकारी जुटाकर युवक की पहचान कराई और परिजनों को हादसे की सूचना दी।

अग्निवीर आंदोलन : 12 जिलों में मुकदमे होंगे वापस

यूनिक समय, अलीगढ़ । अलीगढ़ सहित उत्तर प्रदेश के 12 जिलों में अग्निवीर योजना के विरोध में 17 जून 2022 को हुई हिंसा के मामलों को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

प्रदर्शनकारियों ने उस दिन यमुना एक्सप्रेसवे पर तोड़फोड़ की, टप्पल थाने की जट्टारी चौकी को आग लगा दी, 12 निजी वाहन और 10 सरकारी गाड़ियां नष्ट कीं, और पुलिसकर्मी घायल हुए थे। विशेष सचिव डॉ. सत्यवान ने जिलाधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मुकदमों की वापसी के लिए 16 कड़े मानक तय किए गए हैं, जिनमें डीएम, एसएसपी और लोक अभियोजक की राय, केस डायरी और साक्ष्यों की स्थिति शामिल है। इसके साथ ही क्रॉस केस, अपराध की गंभीरता और सार्वजनिक नुकसान का आकलन भी होगा।

इन जिलों में अलीगढ़, आगरा, मथुरा, गौतमबुद्धनगर, वाराणसी, गोरखपुर, बस्ती, रायबरेली, चंदौली, गाजीपुर, जौनपुर और बलिया शामिल हैं।

ताज के साये में साउथ की फिल्म 'रूबी' की शूटिंग

यूनिक समय, आगरा। दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल में दक्षिण भारतीय फिल्म रूबी की शूटिंग हुई। फिल्म की टीम सुबह की पहली किरण के साथ ताजनगरी पहुंची और रॉयल गेट व मुख्य परिसर में कई महत्वपूर्ण दृश्य फिल्माए।

शूटिंग की खबर फैलते ही पर्यटक फिल्म कलाकारों को देखने के लिए उत्सुक दिखाई दिए। सुरक्षा कर्मियों को भीड़ नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। रॉयल गेट से ताजमहल के शानदार दृश्य के बीच मुख्य किरदारों पर सीन फिल्माए गए, जिससे फिल्म की शूटिंग को और भी आकर्षक बनाया गया।

निर्माण इकाई ने फिल्म की कहानी और किरदारों के बारे में गोपनीयता

बनाए रखी है। सूत्रों के अनुसार, फिल्म में ताजमहल की भव्यता को एक विशेष रूप में दिखाया जाएगा। कलाकारों ने भी शूटिंग के दौरान ताज की पच्चीकारी और वास्तुकला की जमकर सराहना की। ताजमहल में साउथ फिल्म की शूटिंग से न केवल फिल्म को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी, बल्कि पर्यटन स्थल पर भी दर्शकों का उत्साह बढ़ा है। फिल्म यूनिट का कहना है कि शूटिंग पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रित तरीके से की गई।

एडीए ने 21 दुकानों और तीन अवैध निर्माणों को सील किया

यूनिक समय, आगरा। विकास प्राधिकरण (एडीए) ने ताजगंज वार्ड में 21 दुकानों सहित तीन अवैध निर्माणों को सील कर दिया है। ये निर्माण बिना स्वीकृत मानचित्र के किए गए थे। नोटिस और सुनवाई के बावजूद दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर एडीए ने बुधवार को कार्रवाई की।

देवरी रोड स्थित गोमती एन्क्लेव में बैजयंती देवी ने लगभग 180 वर्ग मीटर में भूतल और प्रथम तल का निर्माण कराया था, जिसमें भूतल पर 5 दुकानों को पूरी तरह अनाधिकृत पाया गया। दिसंबर 2025 से नोटिस प्रक्रिया चल रही थी, लेकिन सुनवाई के बावजूद कोई साक्ष्य नहीं दिया गया। ग्वालियर रोड के नगला मकरौल में राम गोपाल सिंह और दानवीर ने कृष्णा मैरिज होम के सामने 16 दुकानों का अवैध निर्माण किया, जिन्हें भी सील किया गया। इसके अलावा, विधाता प्रॉपर्टी और जेके टायर के बगल में सुनील का बिना मानचित्र स्वीकृति का निर्माण भी एडीए ने कब्जे में लेकर सील कर दिया। एडीए ने चेतावनी दी है कि सील हटाने पर भी कार्रवाई होगी।

गैस सिलेंडर बुकिंग के समय में बदलाव

यूनिक समय, आगरा। गैस संकट के बीच इंडेन, भारत गैस और एचपी गैस एजेंसियों ने सिलेंडर बुकिंग का समय सीमित कर दिया है। अब उपभोक्ता केवल सुबह 5 से 7 बजे और रात 8 से 12 बजे तक फोन से बुकिंग कर सकते हैं। इस बदलाव से हजारों परिवारों की परेशानी बढ़ गई है।

फोन बुकिंग केवल उन्हीं उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध होगी, जिन्हें पिछले सिलेंडर की डिलीवरी के 25 दिन से अधिक समय हो चुका हो। सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक लगभग 13 घंटे बुकिंग बंद रहेगी। होली के बाद सर्वर की तकनीकी समस्याओं के कारण भी बुकिंग में रुकावट आ रही है, जिससे लोग खाली सिलेंडर लेकर एजेंसी और गोदाम तक दौड़ रहे हैं। आगरा में 50 हजार से अधिक घरों में गैस सिलेंडर नहीं पहुंच पा रहे हैं। जिला नोडल अधिकारी विनीत कुमार ने

बताया कि जिले में एलपीजी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और गोदाम भरे हुए हैं। सर्वर प्रभावित होने के कारण अनावश्यक बुकिंग करने से सिलेंडर आपूर्ति में दिक्कत आ रही है।

शिकायत और संपर्क- उपभोक्ता गैस न मिलने पर शिकायत टोल फ्री नंबर पर कर सकते हैंः इंडेन/एचपी गैसः 18002333555, भारत गैसः 1800224344, विपुल पुरोहित और संतोष सिकरवार ने कहा कि बुकिंग के 24 घंटे के भीतर सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है। सर्वर समस्याओं को दूर करने के प्रयास जारी हैं।

वाराणसी में मेटा एआई के खिलाफ पहला मामला

सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म मेटा एआई के खिलाफ वाद दाखिल, सुनवाई 16 को

यूनिक समय, वाराणसी। जिले के सारनाथ तिलमापुर के समाजसेवी नागेश्वर मिश्र ने अमेरिकी सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म मेटा एआई को अदालत में खींच लिया। आरोप है कि एआई ने शिव-पार्वती विवाह के बारे में गलत जानकारी दी। अवर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय की अदालत ने सारनाथ थाने से रिपोर्ट तलब की है और अगली सुनवाई 16 मार्च को निर्धारित की गई है।

नागेश्वर मिश्र का कहना है कि मेटा एआई स्वयं को ऐसा मंच बताता है, जिसके पास दुनिया की हर जानकारी है। उन्होंने एआई से शिव-पार्वती विवाह की तिथि पूछी,

लेकिन उसे गलत उत्तर मिला। पहले मेटा एआई ने गलती स्वीकार कर माफी मांगी और सुधार का आश्वासन दिया, लेकिन दोबारा पूछने पर फिर से गलत जानकारी दी। इससे समाजसेवी ने अदालत में धारा 173(4) के तहत प्रकीर्ण वाद दाखिल किया। मेटा एआई ने उत्तर दिया कि शिवजी का विवाह फाल्गुन महीने की कृष्ण पक्ष त्रयोदशी तिथि को महाशिवरात्रि के दिन हुआ। लेकिन यह जानकारी विवादित है। कुछ स्रोतों के अनुसार विवाह माघ महीने की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी या वैशाख महीने में हुआ था। अदालत ने मामले की रिपोर्ट तलब कर अगली सुनवाई 16 मार्च तय की। यह देश का पहला ऐसा मामला है जहां किसी एआई प्लेटफॉर्म को गलत जानकारी देने पर सीधे अदालत में खींचा गया। इससे भविष्य में एआई की जवाबदेही और तथ्यात्मक उत्तरों पर कानूनी चर्चा बढ़ने की संभावना है।

आगरा में आठ नए गो-आश्रय स्थल, 3200 गोवंश को मिलेगा संरक्षण

यूनिक समय, आगरा। जिले में निराश्रित गोवंश की समस्या से निपटने के लिए आठ नए गो-आश्रय स्थल बनाए जा रहे हैं। 8.6 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहे इन केंद्रों में पांच वृहद गो-आश्रय स्थल और तीन नई कान्हा गोशालाएं शामिल हैं। इनके जून तक बनकर चालू होने की संभावना है।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. डीके पांडेय ने बताया कि वृहद गो-आश्रय स्थल बाह तहसील के फतेहपुरा, विक्रमपुर, बलाई, खेरागढ़ के भिड़ावली और फतेहाबाद के खंडेर में बनाए जा रहे हैं। अछनेरा, फतेहाबाद और शमसाबाद नगर निकायों में नई कान्हा गोशालाएं बनाई जा रही हैं।

क्वार्सी फ्लाईओवर से अप्रैल में शुरू होगा वाहनों का आवागमन

यूनिक समय, अलीगढ़। क्वार्सी चौराहे पर चार लेन का फ्लाईओवर अप्रैल से वाहनों के लिए खुलने वाला है। 71 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे 650 मीटर लंबे इस फ्लाईओवर का निर्माण सेतु निगम द्वारा किया जा रहा है।

फ्लाईओवर का निर्माण 28 जून 2024 को शुरू हुआ था और अब अंतिम चरण में है। दोनों ओर के एप्रोच का कार्य तेजी से चल रहा है। मुख्य पुल पर सीसी का काम लगभग पूरा हो चुका है। मार्च के अंत तक सिविल कंस्ट्रक्शन का पूरा काम समाप्त कर लिया जाएगा। अप्रैल के पहले 15 दिन पुल की मजबूती जांचने के लिए 'लोड टेस्ट' किया जाएगा। इस फ्लाईओवर के खुलने से रोजाना 50

हजार से अधिक यात्रियों को सीधा फायदा होगा। विशेष रूप से रामघाट रोड और तालानगरी की ओर जाने वाले वाहनों को अब क्वार्सी चौराहे के सिग्नल पर घंटों जाम में फंसने की समस्या नहीं होगी। डीपीएम सेतु निगम मोहित कुमार ने बताया कि अप्रैल से वाहनों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। फ्लाईओवर की सुविधा से यातायात सुगम और यात्रियों की यात्रा समय में भी कमी आएगी।

सार संक्षेप

ईरान ने जंग खत्म करने के लिए रखीं तीन शर्तें

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच 13वें दिन भी जंग जारी है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शांति के लिए तीन शर्तें रखीं: ईरान के वैध अधिकारों की मान्यता, मुआवजे का भुगतान और भविष्य में आक्रामकता के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय गारंटी। इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के अधिकांश सैन्य ठिकाने नष्ट हो चुके हैं। इजराइल का हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला जारी है, जिससे लेबनान में भारी नागरिक हानि हुई है।

अलगाववादी नेता शब्बीर शाह को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को टेरर फंडिंग मामले में जमानत दे दी है। शाह 2019 से जेल में बंद थे। अदालत ने कहा कि उन्हें कुछ शर्तों के साथ राहत दी जा रही है और विस्तृत आदेश जल्द जारी किया जाएगा। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने उन पर आतंकवादी गतिविधियों के लिए फंडिंग में शामिल होने का आरोप लगाया था। शब्बीर शाह लंबे समय से कश्मीर की अलगाववादी राजनीति से जुड़े रहे हैं और कई बार गिरफ्तारी व नजरबंदी का सामना कर चुके हैं।

दिल्ली में दो बांग्लादेशी गिरफ्तार, देह व्यापार रैकेट से जुड़े होने का आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के पास से दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान दिप्तो कुमार पाल उर्फ विकास और रूमा बेगम के रूप में हुई है। दोनों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला और वे पहले भी भारत से डिपोर्ट किए जा चुके थे। जांच में सामने आया कि दिप्तो बांग्लादेशी महिलाओं को अवैध रूप से भारत लाकर देह व्यापार रैकेट से जोड़ता था। पुलिस ने उनके पास से स्मार्टफोन और बांग्लादेशी आईडी कार्ड बरामद किए हैं।

मुंबई विधान भवन को बम से उड़ाने की धमकी, जांच के बाद परिसर सुरक्षित

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई के दक्षिण इलाके में स्थित विधान भवन को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। उस समय विधानसभा का बजट सत्र चल रहा था। सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस, बॉम्ब डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचकर परिसर की गहन तलाशी ली। जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और इमारत को सुरक्षित घोषित कर दिया गया। पुलिस अब धमकी भरा ईमेल भेजने वाले व्यक्ति का पता लगाने में जुटी है।

उधर जंग, इधर गैस ने किया सिर दर्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। देशभर में रसोई और उद्योग दोनों ही गैस संकट की मार झेल रहे हैं। अमेरिका और इजराइल की ईरान पर कार्रवाई के चलते भारत में एलपीजी की सप्लाई घट गई है। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कई हिस्सों में गैस सिलेंडर लेने के लिए लोग सुबह से ही एजेंसियों के बाहर लंबी कतार में खड़े हैं।

अयोध्या में राम रसोई को 8 साल बाद बंद करना पड़ा, क्योंकि रसोई गैस की कमी से खाना बनाना असंभव हो गया। वहीं गोरखपुर और सिद्धार्थनगर में पुलिस सुरक्षा में सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं। दिल्ली हाई कोर्ट की वकीलों की कैंटीन में भी मेन कोर्स खाना बंद करना पड़ा। बिहार के गोपालगंज, खगड़िया, औरंगाबाद और पटना में लोग सुबह से ही गैस एजेंसी पहुंच रहे हैं। सरकार ने इस खबर को फेक बताते हुए जनता से शांत रहने और पैनिक बुकिंग न करने की अपील की है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि घरेलू एलपीजी की डिलीवरी साइकल 2.5 दिन में बनी हुई है, और उत्पादन 25% तक बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही, दो बड़े एलएनजी जहाज जल्द भारत पहुंचेंगे जिससे सप्लाई और मजबूत होगी। हालांकि, कॉमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई ठप होने से होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं। जयपुर में 1,911 रुपए का सिलेंडर 2,500 रुपए में बिक रहा है। अलवर में एजेंसियों पर जमकर हंगामा हुआ। पंजाब के कई जिलों में सर्वर डाउन होने से घरेलू सिलेंडरों की बुकिंग भी बंद है। संकट से निपटने के लिए पांच कदम उठाए:, कमेटी बनाई, एसेंशियल कमोडिटी एक्ट लागू किया, बुकिंग में 25 दिन का अंतर रखा, ओटीपी/बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन सख्त किया और एलपीजी उत्पादन बढ़ाया। संकट के पीछे दो बड़ी वजह होर्मुज स्ट्रेट का बंद होना और ईरान के ड्रोन हमले से कतर का एलएनजी उत्पादन रुका। इंडियन ऑयल के के.एम. ठाकुर ने जनता को आश्वस्त किया कि पैनिक बुकिंग की जरूरत नहीं है और वैकल्पिक स्रोतों से सप्लाई जल्द बहाल होगी। सरकार ने घरेलू एलएनजी सिलेंडर के दाम 60 रुपए बढ़ा दिए हैं।

दिल्ली में 14.2 किलो का सिलेंडर अब 913 रुपए में मिलेगा, जबकि 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर का दाम 1,883 रुपए हो गया है। देशभर में एलपीजी की कमी ने सामान्य रसोई और व्यवसाय दोनों को हिलाकर रख दिया है, लेकिन प्रशासन और तेल कंपनियां सप्लाई बहाल करने में लगी हुई हैं, ताकि पैनिक हालात को जल्दी नियंत्रित किया जा सके।

एलपीजी संकट से पेइंग गेस्ट आवासों में डोसा-पूरी बंद

यूनिक समय, नई दिल्ली। बेंगलुरु में व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कमी के कारण पीजी (पेइंग गेस्ट) आवासों में भोजन व्यवस्था प्रभावित हो रही है। पीजी ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन-बैंगलोर ने गैस बचाने के लिए अस्थायी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत डोसा, पूरी, चपाती, इडली और बोंडा जैसे ज्यादा गैस में बनने वाले व्यंजनों पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। इसके बजाय बिसीबेलेबाथ, चित्रान्ना और पुलियोगारे जैसे चावल आधारित भोजन पर जोर दिया जा रहा है। सप्ताह के दिनों में दो बार भोजन देने की सलाह दी गई है, जबकि कई पीजी अब इंडक्शन स्टोव और इलेक्ट्रिक राइस कुकर जैसे वैकल्पिक तरीकों से खाना बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

काला जादू के शक में रिटायर्ड शिक्षक की पिटाई 10 आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के गंजाम जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां काला जादू करने के शक में गांव के लोगों ने एक रिटायर्ड शिक्षक की बेरहमी से पिटाई कर दी। इस हमले में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है।

यह घटना गंजाम जिले के बेलागुंठा थाना क्षेत्र के बेलपूंजी गांव में हुई। घायल व्यक्ति की पहचान गोपाल कृष्ण सेठी के रूप में हुई है, जो चढ़ियापल्ली के ढेपा साही के रहने वाले और पेशे से रिटायर्ड शिक्षक हैं। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले गांव के लोगों ने उन्हें देर रात बेलपूंजी गांव के ठाकुराणी मंदिर में पूजा-पाठ और मंत्र जाप करते हुए देखा था। उस समय उन्होंने साड़ी, चूड़ियां और फूलों की माला पहन रखी थी, जिससे कुछ ग्रामीणों को उन पर काला जादू करने का शक होने लगा। घटना वाली रात गोपाल कृष्ण सेठी अपने बेटे के साथ मंदिर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि वे मानसिक रूप से कमजोर हैं।

एलपीजी सिलेंडर की जमाखोरी करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : मोदी

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सख्त रुख अपनाते हुए मंत्रियों को निर्देश दिया है कि अफवाह फैलाने और घबराहट पैदा करने की कोशिशों पर कड़ी नजर रखी जाए। सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है और किसी भी संभावित संकट से निपटने के लिए पर्याप्त तैयारियां की गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ लोग एलपीजी आपूर्ति को लेकर अनावश्यक डर और भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मंत्रियों को निर्देश दिया कि ऐसे दुष्प्रचार का तथ्यों के साथ तुरंत जवाब दिया जाए और सोशल मीडिया सहित सभी मंचों पर सक्रिय रूप से स्थिति स्पष्ट की जाए।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि मौजूदा स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक परिस्थितियों के कारण कई देशों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद भारत की ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था मजबूत है और सरकार किसी भी बाधा से निपटने में सक्षम है। इसी बीच केंद्र सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर भी सख्त कदम उठाए हैं। गृह सचिव गोविंद मोहन ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों तथा पुलिस महानिदेशकों के साथ बैठक कर एलपीजी की उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की।

कहा- रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर घबराने की जरूरत नहीं

अमेरिका ने पेशावर वाणिज्य दूतावास स्थायी रूप से बंद करने का लिया फैसला

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के पेशावर स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। अफगान सीमा के करीब स्थित यह मिशन लंबे समय से दक्षिण एशिया में अमेरिकी कूटनीति, रसद आपूर्ति और खुफिया गतिविधियों का अहम केंद्र माना जाता रहा है।

'एसोसिएटेड प्रेस' के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इस सप्ताह अमेरिकी कांग्रेस को इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि वाणिज्य दूतावास बंद करने से हर साल लगभग 75 लाख अमेरिकी डॉलर की बचत होगी। साथ ही यह भी कहा गया है कि इससे पाकिस्तान में अमेरिका के राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने की क्षमता पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

बताया जा रहा है कि यह फैसला पिछले एक साल से विचाराधीन था और इसका मौजूदा ईरान युद्ध से सीधा संबंध नहीं है। हालांकि क्षेत्र में बढ़ते तनाव और विरोध प्रदर्शनों के कारण कराची और पेशावर सहित कई शहरों में अमेरिकी मिशनों को अस्थायी रूप से अपना कामकाज सीमित करना पड़ा है।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच भारत को राहत

होर्मुज स्ट्रेट से भारतीय जहाजों को मिली इजाजत

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच भारत के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। ईरान ने भारतीय झंडे वाले टैंकरों को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति दे दी है। यह फैसला भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया। माना जा रहा है कि इस कूटनीतिक पहल से भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ने वाले संभावित संकट को काफी हद तक टाल दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, भारत के कम से कम दो टैंकर-पुष्पक और परिमल-सुरक्षित रूप से इस समुद्री मार्ग से गुजर चुके हैं। इसके अलावा सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर आ रहा एक लाइबेरिया के झंडे वाला टैंकर, जिसका कप्तान भारतीय था, दो दिन पहले इसी रास्ते से गुजरकर मुंबई पोर्ट पहुंचा। यह जहाज उन शुरुआती जहाजों में शामिल है जो क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बावजूद सुरक्षित रूप से भारत तक पहुंचे। दरअसल, इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद से होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री गतिविधियां लगभग ठप हो गई थीं। कई देशों के जहाजों को यहां से गुजरने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि जिन जहाजों का संबंध अमेरिका या इजराइल के हितों से होगा, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं दिया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट ईरान और ओमान के बीच लगभग 55 किलोमीटर चौड़ा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। वैश्विक ऊर्जा व्यापार के लिहाज से यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण और व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक है। अनुमान के अनुसार हर दिन करीब 13 मिलियन बैरल तेल इसी रास्ते से गुजरता है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 30 प्रतिशत है।

जलमार्ग से तेल और लिक्विफाइड नैचुरल गैस की आपूर्ति में थोड़ी भी रुकावट आने पर दुनिया भर के बाजारों, सप्लाई चेन और ऊर्जा कीमतों पर सीधा असर पड़ सकता है। इसलिए ईरान का यह कदम भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर मुंबई पहुंचा टैंकर

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बीच सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर एक टैंकर सुरक्षित रूप से मुंबई पहुंच गया। लाइबेरिया के झंडे वाला यह टैंकर शेनलॉन्ग करीब 1,35,335 मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर आया। खतरनाक होर्मुज स्ट्रेट पार करते समय कैप्टन ने सुरक्षा के लिए जहाज का एआईएस ट्रैकिंग सिस्टम अस्थायी रूप से बंद कर दिया, जिससे वह संभावित हमलों से बच सका। यह टैंकर माहुल स्थित रिफाइनरियों को कच्चे तेल की आपूर्ति करेगा, जिससे ईंधन आपूर्ति को लेकर बनी चिंताओं में कुछ राहत मिली है।

भारत और ईरान के विदेश मंत्री के बीच हुई बातचीत

फारूक अब्दुल्ला पर जानलेवा हमला, बोले— 'अल्लाह ने मुझे बचा लिया'

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला पर जम्मू में एक शादी समारोह के दौरान जानलेवा हमला हुआ।

घटना शहर के बाहरी इलाके ग्रेटर कैलाश में हुई, जब कार्यक्रम से निकलते समय कमल सिंह जामवाल नामक व्यक्ति ने कथित तौर पर उन पर पीछे से गोली चलाने की कोशिश की। हालांकि गोली उन्हें नहीं लगी और वे सुरक्षित बच गए। हमलावर को मौके पर ही पकड़ लिया गया।

घटना के बाद पहली प्रतिक्रिया देते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा, "अल्लाह ने मुझे बचा लिया।" इस हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला गुरुवार सुबह अपने पिता से मिलने उनके आवास पहुंचे, जहां सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। वहीं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती और अन्य नेताओं ने भी हमले की निंदा करते हुए घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

बैंक अधिकारी का तुगलकी फरमान

दोपहर तक बैंकों की शाखाओं में कैश नहीं....

यूनिक समय, मथुरा। यदि आप किसी बैंक में चेक लेकर जा रहे हैं और उसका भुगतान चाहिए तो उम्मीद मत करना कि कैश आपको मिल ही जाए। वजह है कि बैंकों की शाखाओं में लाखों की नकदी का भुगतान करने के लिए कैश ही नहीं होता है। ऐसे वाक्य से आज एक नहीं कई खातेदारों को परेशान होना पड़ा था। ग्राहकों के मुताबिक एक खातेदार का सेल्फ चेक लेकर एक युवक एक के बाद एक करके कई बैंकों की शाखा में पहुंचा तो हर बैंक अधिकारी ने कैश देने में हाथ खड़े कर दिए। जवाब था कि बड़ी राशि के भुगतान

सेल्फ चेक का पेमेंट नहीं होगा थर्ड पार्टी को

के लेने के लिए दोपहर तक इंतजार करना पड़ेगा। एक कंपनी के चेयरमैन का खातेदार का सेल्फ चेक लेकर एक युवक बैंक पहुंचा। दो तीन बैंक की शाखाओं में अधिकारियों ने एक सा जवाब दे दिया। फिर युवक भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा में पहुंचा। चेक को देखकर काउंटर पर बैठे अधिकारी की निगाह ऐसी दिखाई दी कि चेक में कुछ गड़बड़ है। अधिकारी की ओर देख बैंक खातेदार की ओर से आया युवक भी सोच विचार में पड़ गया। बैंक अधिकारी ने फरमान सुनाया कि चेक में अंकित बड़ी राशि का भुगतान आपको नहीं मिलेगा। खातेदार को खुद बैंक आना पड़ेगा।

तुगलकी फरमान के बारे में युवक ने अपनी कंपनी के चेयरमैन को अवगत कराया। एक बार तो वह भी टेंशन की स्थिति में आ गए। सोचने लगे कि ऐसा कैसे हो सकता है। बैंक का कोई ऐसा नियम तो नहीं है। चेयरमैन ने संबंधित बैंक अधिकारी से फोन पर बातचीत की। वह उनको बरगलाने लगा। चेयरमैन ने कई और बैंकों में नए नियम के बारे में जानकारी ली, सभी बैंकों की ओर से बताया गया कि ऐसा कुछ बदलाव नहीं हुआ। फिर चेयरमैन ने जब उस अधिकारी की क्लास ली। उसके बाद भी सेल्फ चेक का कैश में भुगतान नहीं हो सका। यह दर्द एक ग्राहक का नहीं है। इस अधिकारी के तुगलकी फरमान से परेशान कई और ग्राहक भी हैं। आरोप है कि यह अधिकारी आए दिन नए-नए तुगलकी फरमानों से लोगों को टेंशन देता है। अब ग्राहकों ने इस अधिकारी की शिकायत कानपुर, लखनऊ और नई दिल्ली में करने का फैसला कर लिया है।

बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन समिति की बैठक में कई प्रस्तावों पर चर्चा

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर की हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी की 13वीं बैठक लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन के सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अशोक कुमार (सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति, इलाहाबाद उच्च न्यायालय) ने की।

बैठक में मंदिर परिसर के विकास, मरम्मत और प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तुत लगभग 760.39 लाख रुपये की लागत से मंदिर के पूर्व निर्मित हॉल के सौंदर्यीकरण कार्य के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। इसके अलावा जनपद के विभिन्न मंदिरों के जीर्णोद्धार और रंगाई-पुताई के प्रस्ताव भी रखे गए। इनमें राधाकुंड स्थित कुंज बिहारी मंदिर, वृंदावन के बवनपुरी हनुमान मंदिर, मोहन बाग तथा स्नेह बिहारी मंदिर के सामने स्थित शिवालय की मरम्मत कार्य शामिल हैं।

बैठक में निधिवन क्षेत्र में लताओं और वृक्षों के संरक्षण के लिए मीठे पानी की पाइपलाइन व्यवस्था, मंदिर क्षेत्र में ई-रिक्शा संचालन की प्रगति, खाद्य सामग्री की सैंपलिंग, सेवायतों के सहयोगियों के चरित्र सत्यापन तथा मंदिर की गोलक गणना के दौरान हुई चोरी के मामले की प्रगति पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर समिति के सदस्य मुकेश मिश्रा, सत्यप्रकाश नारायण तिवारी, जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह सहित कई अधिकारी व सेवायत प्रतिनिधि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प

नशा मुक्ति का संकल्प लेते श्री बाबू लाल महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक।

यूनिक समय, गोवर्धन। कस्बा स्थित श्री बाबू लाल महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई के बरसाना में लगाए सात दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति का संकल्प लिया।

स्वयंसेवकों ने ईश्वर को साक्षी मानते हुए शपथ ली की कि वह जीवन पर्यन्त किसी प्रकार का कोई नशा नहीं करेंगे और अगर उनके सामने कोई नशा करता है तो उसे रोकने का प्रयास करेंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धीरज कौशिक ने सभी विद्यार्थियों को शपथ दिलाई। श्री बाबू लाल शिक्षण संस्थान समूह के निदेशक एडवोकेट नंदकिशोर शर्मा ने कहा कि नशा आज की पीढ़ी को खोखला कर रहा है। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी और बालकों को चाहिए कि जितना हो सके नशे से दूर रहे।

कार्यक्रम में डॉ. विमलेश सिकरवार, डॉ. मुक्ति दुहन, डॉ. योगेंद्र प्रसाद गोयल, डॉ. आशीष सिंह, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. राजकुमार गुप्ता, डॉ सुमन बघेल, डॉ प्रीति वर्मा तथा डॉ. प्रतिभा सिंह आदि ने भाग लिया।

अवैध कॉलोनी पर चला बुलडोजर चार दुकानों पर सीलिंग

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के निर्देश पर अवैध रूप से भूमि विभाजन कर काटी जा रही कॉलोनी के खिलाफ कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार रईस और सोनू द्वारा बिना स्वीकृति के कॉलोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण ने पहले उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की संबंधित धाराओं के तहत वाद संख्या 000899 दर्ज कर विकासकर्ता को सुनवाई का अवसर दिया था, लेकिन वे न तो कार्यालय में उपस्थित हुए और न ही कोई मानचित्र या अभिलेख प्रस्तुत किया। इसके बाद सक्षम अधिकारी के आदेश पर अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई की गई। इस दौरान चार दुकानों को सील भी किया गया। कार्रवाई के समय नायब तहसीलदार छाता मजिस्ट्रेट के रूप में मौजूद रहे तथा आवश्यक पुलिस बल भी तैनात रहा। यह कार्रवाई सहायक अभियंता सुमित नागर की देखरेख और सचिव के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। पक्ष को शमन मानचित्र प्रस्तुत करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है।

सीलिंग की कार्रवाई करती विप्रा की टीम।

दक्षिणांचल विद्युत निगम के एमडी ने किया बिजलीघर का औचक निरीक्षण

निरीक्षण करते दक्षिणांचल विद्युत निगम के एमडी।

यूनिक समय, मथुरा। दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नितेश कुमार ने बुधवार शाम कैंट कार्यालय और बिजलीघर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद देर रात तक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कैंट बिजलीघर में रखे आठ एमवीए ट्रांसफार्मर के बारे में पूछने पर संतोषजनक जवाब न मिलने पर एमडी ने नाराजगी जताई। बिजलीघर पर केवल एक एसएसओ की तैनाती पर भी उन्होंने असंतोष व्यक्त किया और व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए। एमडी ने बिजनेस प्लान के कार्य समय पर पूरा करने तथा कार्यालयों की जर्जर स्थिति को जल्द सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली संबंधी शिकायतें हेल्प डेस्क या 1912 नंबर पर दर्ज होनी चाहिए और गर्मी के मौसम में उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इस मौके पर डायरेक्टर अजय कुमार अग्रवाल, एसई सिविल किशोर, एसई भंडार मंडल दीपांशु सहाय, एक्सईएन वर्कशॉप सचिन शर्मा आदि मौजूद रहे। समीक्षा बैठक में चीफ इंजीनियर राजीव गर्ग, एसई मुदित तिवारी, एसई एसपी पांडेय, एसई एसके सनोरिया आदि मौजूद थे।

प्रशिक्षण महाअभियान को लेकर भाजपा की बैठक

यूनिक समय, राया (मथुरा)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाये जा रहे पं दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान को लेकर भाजपा मंडल की बैठक कार्यालय पर हुई। जिसमें पार्टी पदाधिकारियों ने तैयारियों को लेकर विचार विमर्श कर कार्यक्रम की रूपरेखा तय कर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी। मण्डल अध्यक्ष रामकुमार उपाध्याय ने बताया कि प्रशिक्षण महाअभियान 13 से 14 मार्च तक चलेगा। बैठक में मण्डल प्रभारी आकाश चौधरी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष राकेश बंसल, महामंत्री हरिओम चौधरी, मोहित अग्रवाल, रमनलाल गर्ग, महेशचंद्र दुबे, रामप्रकाश शर्मा, सोनू चौधरी तथा डॉ. कालीचरन आदि मौजूद थे।

सीबीएसई बोर्ड की इंटरमीडिएट अंग्रेजी परीक्षा में 114 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में गुरुवार को सीबीएसी बोर्ड इंटरमीडिएट की अंग्रेजी विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण से संपन्न हुई। परीक्षा में कुल 10,552 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 10,438 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 114 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित समय पर परीक्षा प्रारंभ कराई गई। केंद्र व्यवस्थापकों, कक्ष निरीक्षकों तथा सेक्टर मजिस्ट्रेटों की देखरेख में परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न कराई गई।

33 केवी लाइन मरम्मत के कारण बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

यूनिक समय, मथुरा। 33 केवी विद्युत लाइन के तार बदलने के कार्य के चलते 13 मार्च को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक पानीगांव उपकेंद्र से पोषित क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत विभाग के अनुसार इस दौरान पानीगांव, दीवाना कला, कल्याणपुर, भूतिया और तैयापुर सहित आसपास के कई गांवों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

कोमल फाउंडेशन ने महिलाओं को किया जागरूक

यूनिक समय, मथुरा। कोमल फाउंडेशन व भारतीय मानक ब्यूरो (उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार) की नोएडा शाखा के सहयोग से विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम केशवधाम मंदिर के पास लोहवन क्षेत्र में आयोजित हुआ, जिसमें विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को उपभोक्ता अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में कोमल फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं रिसोर्स पर्सन अश्वनी कुमार राजौरिया ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के प्रावधानों, शिकायत निवारण प्रक्रिया तथा जागरूक उपभोक्ता बनने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। अर्धांगिनी स्वयं सहायता समूह की अध्यक्षा पूजा गुप्ता ने कहा कि उपभोक्ताओं को खरीदारी के समय उत्पाद की गुणवत्ता, एमआरपी और मानकों की अवश्य जांच करनी चाहिए। कार्यक्रम में प्रशिक्षक लाखन सिंह सहित कई महिलाओं ने भाग लिया।

दुनिया में लगातार घटती जा रही जन्म दर बनीं चिंता

पुरुष जिम्मेदार नहीं बनेंगे तो दुनिया के आंगन चहकते नहीं दिखेंगे

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया भर में बच्चे कम हो रहे हैं, लेकिन इसका दोष मातृत्व अवकाश या नकद भत्तों पर डालना आसान है। नोबेल विजेता और हार्वर्ड प्रोफेसर क्लाउडिया गोल्डिन का कहना है कि असली कारण पुरुषों की पुरानी सोच और जिम्मेदारी से बचना है। दुनिया की जन्म दर गिर रही है, लेकिन महिलाओं की महत्वाकांक्षा बढ़ रही है-वे अब "सुपरवुमन" बनकर घर में फंसी नहीं रहना चाहतीं। गोल्डिन व्यंग्य के साथ कहती हैं, "महिलाएं करियर, पढ़ाई, और स्वतंत्रता पा रही हैं, लेकिन पुरुष अब

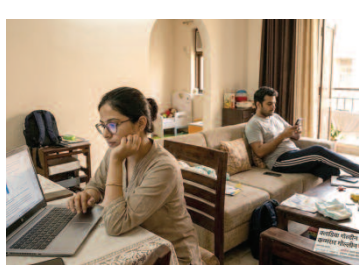

भी सोचते हैं कि बच्चे खुद पैदा हो जाएंगे, और डायपर कोई जादू से बदल जाएगा।" असली विरोधाभास यह है कि आर्थिक स्वतंत्रता मिलने

महिलाएं बराबरी चाहती हैं, पुरुष पुरानी सोच में अटके

के बाद महिलाओं को बच्चे पैदा करने की कीमत सिर्फ अस्पताल खर्च नहीं बल्कि करियर ब्रेक और पहचान खोना पड़ती है। संक्षेप में, समस्या आंकड़ों में नहीं, घर के भीतर तालमेल में है। पुरुष अगर बराबरी से जिम्मेदारी निभाएं-स्कूल मीटिंग्स, डायपर बदलना, रात की नींद टूटना-तो महिलाएं सहजता से मातृत्व की ओर बढ़ेंगी। गोल्डिन ने व्यंग्य करते हुए कहा, "भत्ते और छुट्टियां बच्चों की हंसी वापस नहीं लाएंगी, जब तक पुरुष साझेदार की भूमिका निभाने में असफल रहेंगे।" वह आगे जोड़ती हैं, "हर आधुनिक महिला को ऐसा साथी चाहिए जो घर और काम में बराबरी निभाए। लेकिन अगर पुरुष पुरानी परंपराओं से चिपके रहते हैं, तो महिलाएं सोचती हैं, 'शायद बच्चे को अभी टाल देना ही बेहतर है।' यही कारण है कि अमेरिका से लेकर एशिया तक जन्म दर गिर रही है।" गोल्डिन के अनुसार, यह कोई नई समस्या नहीं, बल्कि पुरुषों की पुरानी सोच का प्रतिफल है। महिलाओं ने अपनी मर्जी और स्वतंत्रता पाई है, अब जवाबदेही पुरुषों की बारी है। तो असल में, बच्चों की हंसी और किलकारियों का संकट नहीं भत्तों, छुट्टियों या सरकारी नीतियों में, बल्कि पुरुषों के आलसी और जिम्मेदारी टालने वाले रवैये में छिपा है। जब तक पुरुष साझेदार से "मददगार" से आगे नहीं बढ़ेंगे, दुनिया के आंगन चहकते नहीं दिखेंगे। महिलाएं सोच रही हैं, पुरुष सोच रहे हैं, और बच्चे-यदि वह आ जाएंगे-तो शायद एक डिजिटल डायपर के इंतजार में।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053